प्रयागराज, रविवार 17 अगस्त 2025 से 23 अगस्त 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-33
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
नगर संस्करण
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

ट्रम्प-पुतिन के बीच 3 घंटे बैठक, कोई सफल बात नहीं हुई,दोनों 12 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रवाना हुए

वॉशिंगटन डीसी। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अलास्का में मुलाकात की। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी बैठक बहुत सकारात्मक रही। हमने कई बिंदुओं पर सहमति जताई, लेकिन कोई डील नहीं हुई। कोई समझौता तभी होगा जब वह अंतिम रूप लेगा। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए। पुतिन शनिवार को करीब 10 साल बाद अमेरिका पहुंचे। यहां उनका बी-2 बॉम्बर एयरक्राफ्ट से स्वागत किया गया। उनके रेड कार्पेट पर आते ही ट्रम्प ने तालियां बजाईं। फिर पुतिन, ट्रम्प की कार में बैठकर मीटिंग के लिए रवाना हो गए। आइये आधुनिक समाचार से समझते हैं क्या कुछ रही 5 मुख्य बातें ट्रम्प-पुतिन के बीच ट्रम्प-पुतिन में 3 घंटे क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी नहीं। 12 मिनट चली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने किसी पत्रकार के सवाल का जवाब नहीं दिया। ट्रम्प ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही, लेकिन अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए उसकी असल वजह को खत्म करना जरूरी। पुतिन ने कहा कि अगर 2022 में ट्रम्प राष्ट्रपति होते, तो यूक्रेन युद्ध नहीं होता। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों नेताओं को किसी भी खतरे या जासूसी से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। दोनों देशों के कई सुरक्षाकर्मी और सैनिक एंकरेज पहुंच गए हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस इसकी मुख्य जिम्मेदारी संभाल रही है और पुतिन की सुरक्षा टीम के साथ मिलकर काम कर रही है। शुक्रवार सुबह एक स्पेशल मिलिट्री प्लेन, जिसमें रडार लगा है, एंकरेज के एयरपोर्ट से उड़ा। यह विमान हवा में आने वाले खतरों, जैसे मिसाइल या अन्य विमानों का पता लगा सकता है। दोनों देशों की टीमें नेताओं को सुरक्षित रखने के लिए साथ काम कर रही हैं, लेकिन जासूसी

रोकने के लिए भी सावधानी बरती जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और रूस की खुफिया एजेंसियों के बीच भरोसा नहीं है। पुतिन की टीम जासूसी से बचने के लिए ऐसे फोन और कंप्यूटर ला सकती है, जिन्हें बाद में फेंक दिया जाता है।रूसी राष्ट्रपति पुतिन 10 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। ट्रम्प ने उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव किया। इसके बाद पुतिन, ट्रम्प की कार में बैठकर यूक्रेन जंग पर मीटिंग के लिए रवाना हो गए। पुतिन इससे पहले आखिरी बार 2015 में यूएन महासभा की बैठक में शामिल होने लिए अमेरिका आए थे। तब यहां उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से बातचीत की थी। पुतिन और ओबामा की मुलाकात काफी तनावपूर्ण रही थी, क्योंकि ओबामा ने पूर्वी यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को लेकर पुतिन की तीखी आलोचना की थी।पुतिन और ट्रम्प के बीच यह सातवीं मुलाकात है। इससे पहले ट्रम्प के पहले कार्यकाल (2017-2021) में दोनों नेता छह बार विदेशों में मिले थे, जिनमें हैम्बर्ग (जर्मनी), दा नांग (वियतनाम), हेलसिंकी (फिनलैंड), ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना), और ओसाका (जापान) शामिल है।पुतिन ने कहा कि उनकी बातचीत का मुख्य मुद्दा यूक्रेन में चल रही जंग थी। स्थायी और लंबे समय तक चलने वाला समझौता करने के लिए जंग की अहम वजहों को खत्म करना जरूरी है। हालांकि, उन्होंने साफ नहीं बताया कि वे किस वजहों की बात कर रहे हैं।पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन और यूरोपीय देश शांति प्रक्रिया में रुकावट नहीं डालेंगे। उन्होंने ट्रम्प को उनके अच्छे इरादों के लिए शुक्रिया कहा। पुतिन ने कहा कि दोनों तरफ के नेताओं को रिजल्ट पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प अपने देश की भलाई को महत्व देते हैं, लेकिन रूस के हितों को भी समझते हैं।पुतिन ने कहा कि वह मानते हैं कि यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह ट्रम्प की इस सोच से सहमत हैं और इस पर काम करने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने आशा जताई कि जो समझौता वे करेंगे, वह यूक्रेन में शांति लाने के लिए मददगार साबित होगा।वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि उनका पुतिन के साथ हमेशा से अच्छा संबंध रहा है, लेकिन 2016 के अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप की जांच के कारण इसमें रुकावट आई। ट्रम्प ने बताया कि उनके बीच कई कठिन और कई अच्छी बैठकें हुईं।ट्रम्प ने कहा कि अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत के बाद उन्हें कई फोन कॉल करने हैं। इनमें नाटो, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की और बाकी नेता शामिल हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैं कुछ कॉल शुरू करने वाला हूं और उन्हें बताऊंगा कि क्या हुआ।'पुतिन ने कहा कि यूक्रेन और यूरोपीय नेताओं को शांति को लेकर हो रही बातचीत में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि यूक्रेन और यूरोपीय देश इसे समझेंगे और कोई बाधा नहीं डालेंगे। वे इस प्रगति को रोकने के लिए पर्दे के पीछे साजिश की कोशिश नहीं करेंगे।'पुतिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर 2022 में डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति होते, तो यूक्रेन में युद्ध नहीं होता। उन्होंने कहा कि ट्रम्प पहले ऐसा कहते रहे हैं और वह भी ऐसा मानते हैं। पुतिन ने बताया कि 2022 में उन्होंने बाइडेन को समझाने की कोशिश की थी कि मामले को बढ़ने से रोका जाए। अब ट्रम्प के साथ इस रास्ते पर आगे बढ़ते हुए हम यूक्रेन में जंग रोक सकते हैं। यह जितनी जल्दी हो सके, उतना ही बेहतर होगा।ट्रम्प ने कहा कि सीजफायर डील की जिम्मेदारी अब पूरी तरह से जेलेंस्की पर है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पुतिन और जेलेंस्की के बीच बैठक तय की जाएगी। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा-'अब यह जेलेंस्की पर निर्भर है कि वे इसे पूरा करें। मुझे लगता है कि अब तीनों के बीच एक बैठक तय होगी। जेलेंस्की, पुतिन और मैं ।'अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस में जंग के कारण बच्चों की खराब हालात पर एक लेटर लिखा है। ट्रम्प ने ये लेटर मुलाकात के दौरान पुतिन को सौंपा। अमेरिका के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार 2022 से अब तक रूस में 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

मां-बेटी की आत्महत्या का मामला, मां का शव बह रहा था, बच्ची मां की छाती पर थी,सीपीआर देने से बेटी की सांस लौटीं

अहमदाबाद। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट में मां-बेटी की आत्महत्या का एक मामला सामने आया है। इसमें मां की तो मौत हो

गई, लेकिन बेटी बच गई। हालांकि बाद में इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मां-बेटी की आत्महत्या का एक 5 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। मां का शव बह रहा था और बच्ची मां की छाती पर थी। लोगों ने जब इन्हें देखा तो बचाने की कोशिश की गई।घटना 15 अगस्त शाम 6 बजे की है। जब शहर के उस्मानपुरा गार्डन की ओर रिवरफ्रंट पर 38 साल की मां पिंकीबेन ने दो साल की बेटी के साथ साबरमती रिवरफ्रंट में छलांग लगा दी। रेस्क्यू टीम ने दोनों को बाहर निकाला। मां की मौत हो चुकी थी, लेकिन बेटी को सीपीआर दिया गया। इससे उसकी सांसें वापस आ गईं। सुसाइड की वजह सामने नहीं आई है। रेस्क्यू टीम के भरत मंगेला ने बताया कि हमारी टीम ने दोनों को नदी से बाहर निकाला। पहले लगा कि दोनों की मौत हो चुकी है, लेकिन तभी लगा बच्ची जिंदा है। उसे सीपीआर दिया गया। तभी बच्ची रोने लगी। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन बच्ची की जान बचाने के लिए पुलिस की गाड़ी में बच्ची को अस्पताल ले जाया गया। इसी बीच रास्ते में एक एम्बुलेंस मिल गई, बच्ची को एम्बुलेंस में वीएस अस्पताल ले जाया गया। अफसोस उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मौत की वजह फेफड़ों में पानी भरना बताया गया।

उपराष्ट्रपति चुनाव- 17 अगस्त को फाइनल होगा एनडीए का उम्मीदवार, 21 अगस्त को नामांकन, भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में होगा फैसला

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए कैंडिडेट के नाम पर 17 अगस्त को मुहर लगेगी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक रविवार शाम 6 बजे होगी, इसमें उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का नाम फाइनल किया जा सकता है। यह कैंडिडेट 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेगा। इस दौरान एनडीए शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। उधर विपक्षी गठबंधन के नेता भी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक लीडर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरा नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है। संसद में एनडीए के पास बहुमत- लोकसभा में कुल 542 सदस्यों में से एनडीए के पास 293 और आई.एन.डी.आई गठबंधन के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में 240 सदस्यों में से एनडीए को करीब 130 और

आई.एन.डी.आई गठबंधन को 79 सांसदों का समर्थन है। कुल मिलाकर एनडीए के पास 423 और इंडिया ब्लॉक के पास 313 सांसदों का समर्थन है। शेष सदस्य किसी भी खेमे से जुड़े नहीं हैं। थावरचंद गहलोत अभी कर्नाटक के राज्यपाल हैं। 77 साल के गहलोत राज्यसभा में सदन के नेता रह चुके हैं साथ ही केंद्रीय मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। भाजपा में वे सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं। जातीय समीकरण (दलित) में भी वे फिट बैठते हैं। वे मध्य प्रदेश से हैं। उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी है।ओम माथुर अभी सिक्किम के राज्यपाल हैं। 73 साल के माथुर पार्टी के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान से आते हैं। वे गुजरात के चुनाव प्रभारी तब रहे हैं, जब पीएम मोदी वहां के मुख्यमंत्री थे। वे मोदी के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी करीबी माने जाते हैं। माथुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक रह चुके हैं।हरिवंश नारायण सिंह का जन्म 30 जून 1956 को यूपी के बलिया के सिताबदियारा गांव में हुआ। पत्रकार भी रह चुके हैं। 2014 में जदयू के टिकट पर बिहार से राज्यसभा सांसद चुने गए। उपराष्ट्रपति चुनाव के 6 चरण- स्टेप 1- निर्वाचक मंडल का गठन करना : उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल करता है, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य शामिल होते हैं। स्टेप 2- चुनाव की अधिसूचना जारी होना : निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना में नामांकन, मतदान और परिणाम की तारीखें होती हैं। स्टेप 3- नामांकन प्रक्रियाः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों द्वारा प्रस्तावक और 20 सांसदों द्वारा समर्थक के रूप में हस्ताक्षर के साथ नामांकन पत्र दाखिल करना होता है। स्टेप 4- सांसदों के बीच प्रचार होता हैः केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। स्टेप 5- मतदान की प्रक्रिया शुरू होगीः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) अंकित करता है। स्टेप 6- मतों की गिनती और परिणामः जीत के लिए कुल वैध मतों का साधारण बहुमत (50फीसदी से अधिक) प्राप्त करना होता है। रिटर्निंग ऑफिसर नतीजे की घोषणा करते हैं।

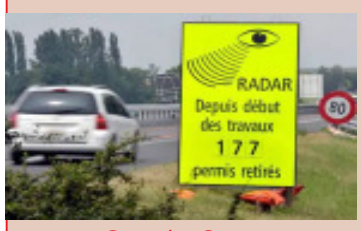

रु0 से 1 करोड़ रुपए के पार पहुंचा बिटकॉइनःकिसने बनाया कोई नहीं जानता, इसे बनाने वाले ने खुद को क्यों छिपाया

मुंबई। बिटकॉइन की कीमत पहली बार रु1.08 करोड़ के पार पहुंच गई है। 2009 में इसकी वैल्यू शून्य के करीब थी। इस करेंसी से

कई दिलचस्प किस्से भी जुड़े हैं। जैसे जिस व्यक्ति ने इसे बनाया है उसे कोई नहीं जानता। उसने अपने आप को गुमनाम रखा है। बस एक रहस्यमयी नाम सामने आया- सतोशी नाकामोटो। इसी तरह 2010 में खरीदा गया वो पिज्जा भी कोई नहीं भूल सकता, जिसे 10,000 बिटकॉइन देकर खरीदा गया था। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने इसे खरीदा था। अगर वो इंजीनियर उस समय ये पिज्जा नहीं खरीदता और ये बिटकॉइन अपने पास रखता तो इन बिटकॉइन्स की कीमत 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होती। यानी, अगर एक पिज्जा में 6 स्लाइस हैं तो दो पिज्जा के हिसाब से एक स्लाइस की कीमत 833 करोड़ पड़ी। यहां हम 5 चैप्टर में बिटकॉइन की दिलचस्प कहानी बता रहे हैं. साल 2008 का समय था, दुनियाभर में आर्थिक संकट अपने चरम पर था। उस वक्त बैंकों और सरकारों पर लोगों का भरोसा डगमगा रहा था। लोग बैंकों और सेंट्रल बैंकों के फैसलों और व्यवस्था से नाराज थे। बैंकों की गलत नीतियों की वजह से कई लोग अपनी जमा-पूंजी खो बैठे। इसी माहौल में खुद को सतोशी नाकामोतो कहने वाले एक गुमनाम शख्स ने एक नई तरह की डिजिटल करेंसी का कॉन्सेप्ट पेपर पेश किया। इसमें उन्होंने डिटेल में बताया था कि कैसे एक ऐसी करेंसी बनाई जा सकती है जो बिना किसी बैंक और सरकार के दखल के काम करे। फिर 3 जनवरी 2009 को बिटकॉइन का पहला ब्लॉक 'जेनिसिस ब्लॉक' बनाया गया। यहीं से बिटकॉइन की शुरुआत हुई। बिटकॉइन का मकसद एक ऐसी करेंसी देना था जो 'डिसेंट्रलाइज्ड' हो, यानी जिस पर किसी एक संस्था का कंट्रोल न हो।बात 22 मई, 2010 की है। लास्जलो हैन्येज नाम के फ्लोरिडा बेस्ड एक प्रोग्रामर ने बिटकॉइन फोरम पर एक पोस्ट डाली। इसमें लिखा, 'मैं 10,000 बिटकॉइन देकर दो पिज्जा खरीदना चाहता हूं।**आगे की खबर पेज न. 5 पर...**

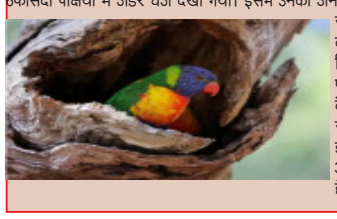

थाने में कपड़े उतार किन्नरों का हंगामा दो पक्षों में मारपीट के बाद पहुंचे थे

प्रयागराज। दारागंज थाने में रात में किन्नरों ने जमकर हंगामा किया। किन्नरों के ऐसे में पुलिस भी बेबस हो गई। किन्नरों का हंगामा देख थाने के अंदर और बाहर भीड़

दो पक्षों में लेनदेन को लेकर विवाद के बाद मारपीट हुई थी। इसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। वहां कहासुनी के बाद हंगामा हो गया। इसके बाद किन्नरों ने कपड़े उतार थाने में तालियां पीटनी और एक दूसरे को ललकारने लगे। कई किन्नर बिना कपड़ों के थाने में इधर उधर दौड़ने लगे। जमा हो गई। कुछ लोग दूर से वीडियो बनाने लगे। काफी देर हंगामे के बाद उन्हें थाने से हटाया जा सका। प्रयागराज में किन्नरों के बीच अपने इलाकों को लेकर आए दिन बवाल होता है। एक दूसरे के क्षेत्र में काम करने को लेकर आए दिन मारपीट हंगामा करते रहते हैं।

संगमनगरी में जन्माष्टमी की धूम,बाजारों और मंदिरों में रही सजावट का उत्साह, स्कूलों में जाते दिखे बच्चें राधा-कृष्ण रूप व् पोशाक में

प्रयागराज। जन्माष्टमी से एक दिन पहले शहर के बाजारों में सजावट

और खरीदारी का जीवंत उत्सव देखने को मिला। चौक, सिविल लाइन्स, कटरा, तेलियरगंज सहित अन्य बाज़ारों में राधा-कृष्ण की पोशाकों, मोतियों से सजे मुकुटों, झूलों और बाँसुरी की खरीदारी की अच्छी खासी भीड़ रही। बाजारों में पोशाकों की नींव सस्ते और महंगे विकल्पों पर टिकी थी रु350 से रु5,000 की रेंज में विविध वस्तुएं उपलब्ध थीं। जनता मुंबई से आयातित विशेष डिकोर व सिल्क परिधान भी खरीद रही थी, इनमें गोटा वर्क और मोरपंख वाले डिजाइन खासकर लोकप्रिय थे।स्कूलों में जन्माष्टमी का रंग-रूप सचमुच मनमोहक था। नर्सरी स्कूल में बच्चों ने राधा-कृष्ण के वेश में नृत्य और भजन प्रस्तुतियां दीं, सजावट झिलमिलाती झालरों व रंग-बिरंगे फूलों से सजी थी, जिसने समारोह में भक्तिपूर्ण सौंदर्य जोड़ दिया। सभी स्कूलों में बच्चों द्वारा नाट्य और कला की प्रस्तुति की गई, जिसमें बच्चों नें भाग लिया।वहीं शहर के अधिकांश लोग अपने घरों में सजावट कर रहे है। अपने घर के छोटे बच्चों को राधा कृष्णा के वेश भूषा में तैयार करके सोशल मीडिया पे डाल रहे हैं। बच्चों द्वारा सजावट करके नाट्य प्रस्तुति सबके मन को मोह रही जो बच्चे से रूप में प्रस्तुति दे रहे हैं।परंपरागत सजावट का स्वर इस्कॉन मंदिर ,नारायणी आश्रम ,राधा कृष्णा मंदिर कटरा, पुलिस लाइन समेत अन्य प्रमुख मंदिरों में देखने को मिला। इस्कॉन में कला व प्रकाश की विशेष सजावट के साथ चार दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव आयोजित हुआ, जिसमें शृंगार से सजे भगवान का अभिषेक, भजन-कीर्तन और शोभा यात्रा प्रमुख आकर्षण बने।वहां सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान रखा गया–ड्रोन, सीसीटीवी,पीएसी एवं पुलिस की तैनाती की गई, ताकि भारी मात्रा में आने वाले भक्तों की भीड़ में व्यवस्था बनी रहे।

ख़बरें ज़रा हटके

रोबोट इंसानों की तरह बच्चे को जन्म कैसे देगा?

चीन की एक रोबोटिक्स कंपनी 'काइवा टेक्नोलॉजी' ने दावा किया है कि वह दुनिया का पहला प्रेग्नेंसी रोबोट बना रही है। यह रोबोट इंसान की तरह ही बच्चे को जन्म दे सकेंगे। इस कंपनी के सीईओ झांग किफेंग ने बताया कि यह प्रेग्नेंसी रोबोट 10 महीने की प्रेग्नेंसी को पूरा कर सकता है। फिर एक असली बच्चे को जन्म भी देगा। रोबोट के पेट में एक आर्टिफिशियल गर्भ होगा, जिसमें भ्रूण को पोषण मिलेगा। इस रोबोट को अगले साल लॉन्च किया जाएगा। इसकी कीमत 1 लाख युआन (करीब रु11.6 लाख) होगी। इस पर कुछ चीनी एक्सपर्ट्स ने दावा किया कि इससे बच्चे और मां का नैचुरल कनेक्ट खत्म हो जाएगा। हालांकि, कई मेडिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि रोबोट में इंसानों की तरह प्रेग्नेंसी दोहराना अभी लगभग नामुमकिन है।

कुत्तों पर चिप लगाकर ट्रैक करने वाला देश कौनसा है?

भारत में लावारिस कुत्तों को लेकर बहस छिड़ी हुई है। लेकिन दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जहां लावारिस कुत्तों की देखभाल के लिए खास इंतजाम हैं। यह देश है नीदरलैंड। यहां लावारिस कुत्तों के लिए एक खास पुलिस टीम है। यह टीम कुत्तों को पकड़ती है। उन्हें वैक्सीन लगाती है। फिर उन्हें शेल्टर होम में भेजती है। यहां तक कि लावारिस कुत्तों के लिए हमेशा अस्पताल खुलने रखने के नियम हैं। उन्हें हर समय मेडिकल सेवा मिलती है। वहीं कुत्तों को लिए खास कानून है। अगर आप दुकान से कुत्ता खरीदते हैं, तो आपको भारी टैक्स देना होगा। इसलिए, लोग शेल्टर होम से कुत्ते गोद लेना पसंद करते हैं। यहां हर कुत्ते में एक माइक्रोचिप लगाई जाती है। इससे उनकी पूरी जानकारी एक डेटाबेस में रहती है। अगर कुत्ता खो जाए, तो उसे आसानी से ढूंढा जा सकता है।

कार तेज चलाने पर रु96 लाख का चालान क्यों कटा?

स्विट्ज़रलैंड में एक शख्स को तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने पर भारी जुर्माना लगा है। उसने स्पीड लिमिट सिर्फ 27 किलोमीटर प्रति घंटा पार की थी। लेकिन अब उसे करीब 96 लाख रुपए का जुर्माना भरना पड़ेगा। दरअसल स्विट्ज़रलैंड में सजा और जुर्माने की कीमत व्यक्ति की दौलत के हिसाब से तय होती है। यह शख्स देश के सबसे अमीर लोगों में से एक है। कोर्ट ने शख्स को रु11 लाख तुरंत जमा करने को कहा है। बाकी रु95 लाख का जुर्माना तब लगेगा, जब वह अगले 3 साल में फिर से ऐसी गलती करेगा। यह कोई नया मामला नहीं है। 2010 में एक करोड़पति फरारी ड्राइवर को तेज रफ्तार के लिए 290,000 डॉलर (करीब 2.4 करोड़ रुपए) का जुर्माना देना पड़ा था।

स्कॉलरशिप के लिए पहाड़ चढ़ने की शर्त क्यों?

स्कॉलरशिप आमतौर पर अच्छे नंबरों पर मिलती है। लेकिन दक्षिण कोरिया का एक कॉलेज एक अनोखी शर्त दे रहा है। वहां छात्रों को स्कॉलरशिप के लिए पहाड़ चढ़ने होंगे। यह मामला सियोल राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का है। यहां छात्रों को 6 विशाल पहाड़ चढ़ने होंगे। ऐसा करने पर उन्हें रु47,000 से ज्यादा की सहायता मिलेगी। जो छात्र 3 पहाड़ चढ़ेंगे, उन्हें रु19,000 मिलेंगे। इस स्कीम की शर्त है कि पहाड़ चढ़ने के लिए केबल कार का इस्तेमाल नहीं कर सकते। छात्रों को 'ब्लैक याक' ऐप से चढ़ाई का सबूत देना होगा। इस योजना को कॉलेज के 81 साल के पूर्व छात्र क्वोन जुन-हा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र सिर्फ पढ़ाई में न लगे रहें। वे अपना स्वास्थ्य भी ठीक रखें। इस स्कॉलरशिप के लिए 70 जगहों के लिए 1,400 छात्रों ने आवेदन किया है।

किस गाय ने 3 दिनों में 343 लीटर दूध देकर रिकॉर्ड बनाया?

ब्राजील में एक गाय ने कमाल कर दिखाया है। उसने 3 दिन में सबसे ज्यादा दूध देकर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। गाय ने कुल 343 लीटर दूध दिया है।यह रिकॉर्ड ब्राजील के डेल्फिम मोरेरा में हुए एक डेयरी टूर्नामेंट में बना। यह गाय जिरोलैंडो नस्ल की है। यह नस्ल ज्यादा दूध देने के लिए मशहूर है। एक दिन में इसने 120 लीटर दूध दिया। यह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के भी बहुत करीब है। गिनीज रिकॉर्ड 127.6 लीटर का है। इस प्रतियोगिता के लिए किसान महीनों तक करते हैं किसान अपनी गायों को महीनों तक तैयार करते हैं। उन्हें अच्छा खाना देते हैं। इस गेम में पहले गायों को स्टेरॉयड दिए जाते थे लेकिन अब टूर्नामेंट के नियम सख्त हो गए हैं। टूर्नामेंट से 48 घंटे पहले गायों को लाना होता है। दूध निकालने के बीच 8 घंटे का अंतर होना चाहिए। दुनिया की सबसे महंगी गाय (करीब रु37 करोड़ की नेलोर नस्ल) का रिकॉर्ड भी ब्राजील के नाम है।

बनारस में एक महंत के 50 बच्चे कैसे दर्ज हुए?

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक वोटर लिस्ट में अविवाहित संत के 50 से ज्यादा बेटे हैं। कांग्रेस ने इसे फर्जीवाड़ा बताते हुए चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। वहीं संतों ने इसे हिंदू धर्म की परंपरा का हिस्सा कहा है। दरअसल यह मामला वाराणसी के भेलूपुर क्षेत्र का है। यहां की मतदाता सूची में स्वामी रामकमल दास को 50 से ज्यादा मतदाताओं का पिता दिखाया गया है। इनमें सबसे बड़े की उम्र 72 साल है। सबसे छोटे की उम्र 28 साल है। इस मामले पर राम जानकी मठ मंदिर के प्रबंधक रामभरत शास्त्री ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह 'गुरु-शिष्य परंपरा' का हिस्सा है। आश्रम में रहने वाले शिष्य अपने गुरु को पिता मानते हैं। यह परंपरा 2016 से कानूनी रूप से मान्य है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने सनातन परंपरा को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

ऑस्ट्रेलिया में कैसे बदला चिड़ियों का जेंडर?

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों को जंगली पक्षियों में 'जेंडर चेंज' होने के सबूत मिले हैं। इस रिसर्च में शामिल 6फीसदी पक्षियों में जेंडर चेंज देखा गया। इसमें उनका जेनेटिक प्राइवेट पार्ट उनके ओरिजनल प्राइवेट पार्ट से मेल नहीं खाता। यानी, मादा पक्षियों में नर के अंग मिले। एक नर कूकाबुरा (पक्षी की प्रजाति) में तो मादा के अंग मिले। दरअसल रिसर्चर्स ने कूकाबुरा, मैगपाई और कबूतर जैसी पांच प्रजातियों पर रिसर्च किया। उन सभी में जेंडर चेंज पाया गया। फिलहाल वैज्ञानिकों का मानना है कि पर्यावरण में मौजूद कुछ केमिकल और स्ट्रेस हार्मोन की वजह से ऐसा हो सकता है। रिसर्च में शामिल डॉ. क्लैंसी हॉल ने कहा कि इससे पक्षियों की ब्रीडिंग क्षमता पर असर पड़ सकता है। इससे पक्षियों की आबादी कम हो सकती है और लिंग अनुपात में भी असंतुलन आ सकता है।

नाजरेथ अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

नवीकृत एक्स-रे विभाग का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। नाजरेथ अस्पताल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभसुबह 8:30 बजे हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लुईस मस्करेन्हास, बिशप,

इलाहाबाद धर्मप्रांत, उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में दुबई से श्री जॉन बैपटिस्ट पेइस तथा श्रीमती रेश्मा कुटिन्हा समारोह में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण के पश्चात् नाजरेथ अस्पताल के नवीकृत एक्स-रे विभाग का उद्घाटन कर लोकार्पित किया। अस्पताल के चिकित्सक, स्टाफ तथा छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सिंग

कॉलेज के गायन मण्डली द्वारा प्रार्थना गीत से हुई। इसके बाद नर्सिंग अधीक्षिका सिस्टर मॉन्सी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अशोक अग्रवाल एवं फादर इसिडोर ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया। गायन मण्डली ने देशभक्ति गीतः 'वतन की रक्षा करेंगे हम' प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति की भावना से भर दिया। अपने संबोधन में बिशप मस्करेन्हास ने कहा, 'हमारा देश तभी सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव करेगा, जब हम धर्म के आधार पर विभाजन करना बंद करेंगे और मानवता की भावना से लोगों की सेवा करेंगे। आइए, हम सब मिलकर अपने राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें।' फादर विपिन और डॉ. आर.पी. शुक्ला ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। सिस्टर रोशनी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल देशभक्ति का संदेश देता है, बल्कि अस्पताल परिवार की एकता और सेवा भावना को भी दर्शाता है।

जिला पंचायत प्रयागराज में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। जहां देशभर में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है वहीं भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में महत्वपूर्ण किरदार निभाने वाले शहर प्रयागराज में भी विभिन्न सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस कड़ी में जिला पंचायत प्रयागराज में अपर मुख्य अधिकारी श्रीमती आरती मिश्रा द्वारा ध्वजारोहणकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई तत्पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित राष्ट्र के प्रणेता ओं को पुष्पांजलि अर्पित कर जिला पंचायत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अपर मुख्य अधिकारी महोदया ने अपने उद्बोधन में कहा कि माननीय अध्यक्ष जिला पंचायत डॉ वी के सिंह जी के निर्देशन में जिला पंचायत प्रयागराज विगत चार वर्षों से लगातार राष्ट्र हित में समाज की सेवा करता आ रहा है तथा आम जनमानस की हर समस्या का निराकरण कर जिला पंचायत अध्यक्ष ने जिला पंचायत प्रयागराज की साख को जो गति प्रदान की है वह हमारी राष्ट्र की उन्नति में प्रयागराज जिले से एक बेहतरीन प्रयास है। इस अवसर पर माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष के कार्यकाल में मिली विशिष्ट उपलब्धियां के लिए समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए अपर मुख्य अधिकारी महोदया ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की बात कहते हुए ईमानदारी से अपने कर्तव्य पथ पर चलकर तिरंगे की आन बान शान बनाए रखने की अपील की तथा हर-घर तिरंगा नीति के अंतर्गत समस्त अधीनस्थ से स्वयं के घरों एवं पास पड़ोस में भी तिरंगा घरों में लगवाने एवं लोगों को प्रोत्साहित करते हुए लोक सेवक का कर्तव्य निभाने का भी संदेश दिया कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ लिपिक प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया तथा ए मेरे वतन के लोगों गीत गाकर उन्होंने राष्ट्रभक्ति का भाव भी समस्त कर्मचारियों मे भरा। इस अवसर पर कर विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री आलोक सिंह जी की मौजूदगी रही।

'जीवन का अमृतः स्तनपान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। माँ का दूध प्रकृति प्रदत्त अमृत है डॉ संगीता श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर राज्य विश्वविद्यालय। डॉ संगीता श्रीवास्तव के अनुसार शिशुओं को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के साथ भविष्य के लिये भी मजबूत बनाता है । यह माँ और बच्चे के बीच के अटूट रिश्ते का प्रतीक भी है। यह प्रकृति का ऐसा अमूल्य उपहार है जिसे कोई कृत्रिम विकल्प पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। वास्तव में यह पहला टीका है जो माँ के दूध से मिलता है, इसकी हर बूंद इतनी क्षमता रखती है जिससे शिशु कि प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हो सके । इसमें प्रोटीन बसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और खनिज तत्व इत्यादि पोषक तत्व उचित मात्रा में प्राप्त होते हैं जो कि शिशु की सभी षोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, इसमें पाया जाने वाला रोग प्रतिरोधक तत्व (इम्यूनोग्लोब्यूलिन्स) शिशु को संक्रमण से बचाता है विशेष रूप से कोलस्ट्रम यानि पहला पीला गाढ़ा दूध जो कि शिशुओं के लिए अत्यन्त लाभकारी होता है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शिशुओं के लिए यह सर्वोत्तम एवं संपूर्ण आहार होता है, जिसे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद 1 घंटे के भीतर ही प्रारंभ कर देना चाहिए। यह शिशुओं के पाचनतंत्र के लिए आसानी से पाचन योग्य होता है।यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार स्तनपान न करने वाले शिशुओं में मौत का खतरा स्तनपान करने वाला शिशुओं की तुलना मे छः गुना ज्यादा होता है । यह न सिर्फ शिशुओं के लिए गुणकारी है बल्कि माताओं के लिए भी अत्यंत लाभकारी है क्योंकि स्तनपान कराने वाली मां को प्रसव के बाद जल्दी स्वस्थ होने में मदद करता है यह गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है जो महिलाएं लंबे समय (0 से 2 साल) तक स्तनपान कराती है उन्हें स्तन कैंसर,ओवेरियन कैंसर, टाइप टू मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा कम होता हैसाथ ही साथ प्रसव के बाद वजन कम करना आसान हो जाता है। हमारे समाज में स्तनपान को लेकर जागरूकता आवश्यक है और इसी जागरूकता को फैलाने के लिए ही अगस्त माह का आगाज विश्व स्तनपान सप्ताह 1 से 7 अगस्त से होता है । इस वर्ष 2025 विश्व स्तनपान सप्ताह का विषय है 'स्तनपान को प्राथमिकता दें ; स्थाई सहायता प्रणालियां बनाएं' यह विषय माताओं को स्तनपान करने के सुविधा प्रदान करने और उसे बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक सहायता प्रणालियाँ बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हैं । यह महत्वपूर्ण है क्योंकि स्तनपान माता और शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करता है । अतः मां का दूध एक ऐसा प्राकृतिक वरदान है जो शिशुओं को न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाता है बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी मजबूत करता है। यह जीवन के प्रारंभ में दिया गया सबसे शुद्ध सुरक्षित और संपूर्ण आहार है ।इसलिए हर मां को अपने शिशु को कम से कम छः महीने तक केवल मां का दूध ही देना चाहिए और 2 साल तक अनुपूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखना चाहिए क्योंकि एक स्वस्थ माँ और एक स्वस्थ शिशु ही एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं।

वर्दीवाले गुरुजीः गरीब बच्चों के लिए उम्मीद की किरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। साक्षात्कारः फैबियन जोसेफ । स्थानः उत्तर प्रदेश परिचयः

जब पुलिस वर्दी की बात होती है तो ज़हन में कानून-व्यवस्था, शक्ति और अनुशासन की तस्वीर उभरती है।

फैबियन जोसेफ आधुनिक समाचार

लेकिन उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही रोहित कुमार ने इस छवि को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने 'वर्दी वाले गुरुजी' के नाम से ख्याति पाई है - क्योंकि वे गरीब और वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने का नेक कार्य कर रहे हैं। इस विशेष बातचीत में, फैबियन जोसेफ ने रोहित कुमार से उनके इस प्रेरणादायक सफर के बारे में बात की-

प्रश्नः-रोहित जी, सबसे पहले तो आपका अभिनंदन। आपने एक पुलिसकर्मी होते हुए बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा क्यों उठाया?

उत्तर (रोहित कुमार):- धन्यवाद। जब मैं अपनी ड्यूटी पर होता था, तो अक्सर स्लम एरिया और झुग्गियों में ड्यूटी लगती थी। वहां देखा कि कई बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, न किताबें हैं, न मार्गदर्शन। मैंने सोचा, अगर मैं एक घंटे भी रोज निकालूं, तो शायद किसी का भविष्य संवर सकता है। यहीं से सफर शुरू हुआ।

प्रश्नः-आपकी शुरुआत कैसे हुई? और कितने बच्चे अब आपके साथ पढ़ते हैं? उत्तरः-शुरुआत मैंने 4 बच्चों से की थी। एक पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाता था। धीरे-धीरे बात फैलने लगी, और अब 50 से ज्यादा बच्चे रोजाना आते हैं। कुछ स्कूल भी जाने लगे हैं, और कुछ ने स्कॉलरशिप भी पाई है। यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है।

प्रश्नः-पुलिस की ड्यूटी और पढ़ाने का काम - समय कैसे निकालते हैं? उत्तरः-समय तो निकालना पड़ता है अगर इरादा नेक हो। मेरी शिफ्ट खत्म होने के बाद या छुट्टी के दिन मैं पूरा समय बच्चों को देता हूँ। कुछ साथी सिपाही भी अब जुड़ गए हैं। हम सब मिलकर बदलाव ला रहे हैं। **प्रश्नः-सरकार या प्रशासन से कोई सहयोग मिला?** उत्तरः-कुछ स्थानीय अधिकारी हमारी सराहना करते हैं, और समाजसेवी संगठन ने किताबें और स्टेशनरी दी है। लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। मेरी उम्मीद है कि सरकार भी इस मुहिम को पहचान दे और सहयोग करे। **प्रश्नः-आपके लिए 'वर्दी वाले गुरुजी' कहलाना कैसा लगता है?** उत्तरः-यह मेरे लिए किसी पदक से कम नहीं। पुलिस की वर्दी सिर्फ डर की नहीं, भरोसे की भी होनी चाहिए। अगर हम बच्चों को एक अच्छा नागरिक बना सकें, तो यही असली देशसेवा है। **प्रश्नः-आप उन युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे जो समाज सेवा करना चाहते हैं?**

उत्तरः-सेवा करने के लिए किसी बड़े पद या पैसे की ज़रूरत नहीं होती। बस एक सच्चा दिल और थोड़ा समय चाहिए। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन उसका असर बहुत बड़ा होता है। प्रश्नः-आगे इस मुहिम को कैसे बढ़ाएंगे? उत्तर- (रोहित कुमार) बच्चों को पढ़ने के लिए अपनी जमीन का बड़ा हिस्सा मैंने स्कूल के नाम दान कर दिया जैसे एक पक्का स्कूल

रोहित कुमार वर्दी वाले गुरुजी

बना सके. (फैबियन जोसेफः: - रोहित कुमार जैसे लोग साबित करते हैं कि बदलाव के लिए सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि समाज के हर जिम्मेदार नागरिक को आगे आना होगा। 'वर्दी वाले गुरुजी' की यह पहल ना सिर्फ अनुकरणीय है, बल्कि यह दिखाती है कि पुलिस की वर्दी इंसानियत की भी पहचान हो सकती है।

प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर एवं उत्तर प्रदेश राज्य

इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री नीरज श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र अरोड़ा एवं डॉ. जैस्मिन पाल के साथ-साथ बी. एल. खान, अनंत चंद्र, यश गोस्वामी, तथा पूजारी सुजान देव मंदिर के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी विशेष बना दिया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर लोगों ने तिरंगे के साथ फोटो खिंचवाकर इस खास दिन को यादगार बनाया। युवाओं और परिवारों में सेल्फी प्वाइंट को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

मुख्य अतिथि श्री नीरज श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए देश के युवाओं से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण और 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। आयोजन को सभी ने सराहा और आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

डीएम की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति,पर्यावरण समिति व गंगा समिति की सयुक्त बैठक सम्पन्न

रायबरेली। गुरूवार को जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की

संयुक्त बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जनपद में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वृक्षारोपण कार्य पूरा कराया गया है।उनकी जिओ टैगिंग और सुरक्षा सुनिश्चित करायेंगे। जिन विभागों ने जिओ टैगिंग नहीं कराई है शीघ्र करालें। वृक्षों के संरक्षण हेतु आवश्यक सुरक्षा उपाय जैसे ट्री गार्ड, नियमित सिंचाई एवं देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पर्यावरण समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक प्रतिबंध, वर्षा जल संचयन एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर जनजागरूकता कार्यक्रम चलाएं। जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा स्वच्छता, घाटों की सफाई, सीवेज प्रबंधन एवं जल गुणवत्ता सुधार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गंगा के किनारे बसे क्षेत्रों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा 'नमामि गंगे' अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने सभी को समयबद्ध कार्य निष्पादन एवं बेहतर समन्वय के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, डीएफओ मयंक अग्रवाल,एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, विभागों के अधिकारी, पर्यावरण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मस्जिद के पास डीजे बजाने पर बवाल,पत्थर चले, लाठी-डंडे लेकर दोनों पक्ष भिड़े, लोग बोले- हम तो तिरंगा यात्रा निकाल रहे थे

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा यात्रा के दौरान डीजे को लेकर हिंदू और मुस्लिम

आमने सामने आ गए। शुक्रवार को तीन- तीन डीजे बजाते हुए हिंदू समुदाय के लोगों ने तिरंगा यात्रा निकाली। डीजे की धुन पर थिरकते युवाओं और जुलूस में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। जैसे ही यात्रा मांडा थाना क्षेत्र के कूदर गांव के पास पहुंची तो मुस्लिम समुदाय ने शांति भंग होने का आरोप लगाते हुए विरोध किया। इसी को लेकर पहले दोनों पक्षों में नोकझोंक हुई, लेकिन धीरे-धीरे मामला इतना बढ़ गया कि विवाद मारपीट में बदल गया। घटनास्थल से करीब 100 मीटर पर मस्जिद है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने 11 लोगों पर नामजद मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, देर रात पुलिस तैनाती से हालात काबू में आए, लेकिन गांव में तनाव अब भी बरकरार हैं। मौके पर भारी संख्या के गांव में भारी संख्या में पुलिस को तैनात कर दिया।डीसीपी विवेक चंद्र यादव ने तुरंत गंभीरता दिखाते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया। पुलिस ने किसी तरह हालात को शांत किया और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इस बीच, तिरंगा यात्रा की अगुआई कर रहे पियरी गांव निवासी विकास हरिजन ने पुलिस को लिखित तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया। लेकिन जैसे ही यह खबर विरोधी पक्ष को मिली, गांव का माहौल फिर से गरमाने लगा। शाम को दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

रागिनी सोनकर पर भड़कीं पूजा पाल,बोलीं- पिता की बदौलत विधायक नहीं हूं

प्रयागराज। सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने रागिनी सोनकर को जवाब दिया है। कहा-

किसी ने पूछा है पूजा पाल कौन? पिता की विरासत से विधायक बनने वाले को जवाब देने का मतलब नहीं है। क्योंकि जब पूजा पाल न्याय के लिए कोर्ट और कचहरी में दौड़ती थी। उस समय वो लोग अपने पिता की एंबेसेडर से बड़े कॉलेज में जाते थे। उनको किसी के संघर्षों का मूल्य क्या ही पता होगा? लेकिन फिर भी बता दूं, पूजा पाल उस पीडीए की पीड़ित महिला है, जिसने अन्याय-अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई, जब कुछ लोग उसी माफिया के घर चाय-पानी करते थे। दरअसल, पूजा के सपा से निकाले जाने पर विधायक रागिनी सोनकर से सवाल किया गया तो उन्होंने पूछा- पूजा पाल कौन हैं? किस पार्टी में हैं? जवाब में मीडिया कर्मी ने कहा कि सपा की विधायक हैं। इस पर रागिनी ने कहा- अच्छा हुआ आपने ये बताया, क्योंकि मुझे ये पता नहीं था। जनता भी इस वजह से रोष में है। वह सपा के भरोसे चुनाव जीतकर आई थीं। जब जनता और सपा को भरोसा था कि वो हमारे सदस्य को चुनकर आगे भेजेंगी, तो उन्होंने उस समय पार्टी को धोखा दिया। आगे जो प्रक्रिया हो रही है, वो तो पार्टी अपने हिसाब से एक्शन ले रही है।पूजा पाल ने गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान सीएम योगी की तारीफ में कहा था- उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाया। पूजा की इस स्पीच के करीब 8 घंटे बाद ही उनको पार्टी से निकालने का आदेश जारी किया गया। यह आदेश सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिया था। विधायक पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं। 2005 में राजू पाल की हत्या अतीक अहमद ने की थी। सपा से निकाले जाने के बाद पूजा पाल ने कहा था- मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का। मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया। मैंने तो सिर्फ सीएम योगी को धन्यवाद दिया था। इसमें मैंने कोई अपराध नहीं किया। भाजपा जॉइन करने पर कहा- अभी मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है।

रोजगार मेला साक्षात्कार हेतु सूचना

रायबरेली। विवेक कुमार तिवारी, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक

प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली ने सूचित किया है कि संस्थान में दिनांक 23/08/2025 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें त्रिवेणी अलमीरा प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के लिए टेंपरेरी वर्कमैन के 200 पदों पर भर्ती होगी। इस मेले में फिटर,वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, वायरमैन, टूल एंड डाई मेकर,ग्राइंडर, इलेक्ट्रोप्लेटर, शीट मेटल व अन्य ट्रेडों से उतीर्ण या जो वर्ष 2025 की परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थी जिनकी उम्र सीमा 18 से 32 वर्ष है ,भाग ले सकते हैं। वेतन 24079 /- रुपये प्रतिमाह देय है। साथ मे कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता मुफ्त में देय है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त बायोडाटा सभी अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट,(यदि उपलब्ध है तो)लेकर प्रातः 09:00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं ।चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से होगा।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने देश व प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जन्माष्टमी के पुनीत व पावन पर्व पर देश व प्रदेशवासियों को अपनी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी है। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण के गीता में दिए गए उपदेश उनके आदर्श ,उनके कर्मयोग का ज्ञान आज भी प्रासंगिक हैं ।हम सबको उनके उपदेशों व आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।उन्होंने देश व प्रदेशवासियों से अपील की है कि सभी लोग प्रेम ,सौहार्द व आपसी भाईचारे की भावना और हर्षोल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी का त्यौहार मनाए।यह त्यौहार सभी के जीवन मे खुशियां लेकर आये।

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स

नेंनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

आप सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाये

'पुलिस वाले अच्छे होते हैं': सिपाही सुमित गुप्ता की पहल बदल रही है लोगों की सोच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विशेष संवाददाता प्रयागराज। जब

फैबियन जोसेफ आधुनिक समाचार

बात पुलिस की होती है, तो आमतौर पर लोगों के मन में डर या कठोरता की छवि उभरती है। लेकिन उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात सिपाही सुमित गुप्ता इस छवि को तोड़ने का कार्य कर रहे हैं - और वो भी सोशल मीडिया के ज़रिए। उनके द्वारा बनाया गया फेसबुक पेज 'Police Wale Ache Hote Hai' न केवल पुलिसकर्मियों की मानवीय कहानियाँ सामने ला रहा है, बल्कि जनता और पुलिस के बीच की दूरी भी कम कर रहा है। पुलिस की छवि को मानवीय रूप देने की कोशिश- सिपाही सुमित गुप्ता का मानना है कि हर वर्दी के पीछे एक इंसान होता है - जो भी हँसता है, रोता है, थकता है, लेकिन फिर भी हर परिस्थिति में अपने फर्ज़ को निभाता है। सुमित गुप्ता बताते हैं:- 'पुलिसकर्मियों को अक्सर कठोर छवि में देखा जाता है। लेकिन बहुत से पुलिसवाले ऐसे हैं जो बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हैं, ज़रूरतमंदों को खाना बाँटते हैं, और बुज़ुर्गों की मदद करते हैं। इन सकारात्मक कहानियों को लोगों तक पहुँचाने के लिए मैंने 'Police Wale Ache Hote Hai' पेज शुरू किया।' उनके इस पेज पर देशभर के पुलिसकर्मियों की ऐसी कहानियाँ साझा की जाती हैं, जो दिल को छू जाती हैं। फेसबुक के चर्चित कंटेंट क्रिएटर फैबियन जोसेफ की प्रतिक्रिया- फैबियन जोसेफ, जो सोशल मीडिया पर संवेदनशील मुद्दों और प्रेरणादायक व्यक्तियों को उजागर करने के लिए जाने जाते हैं, ने सुमित गुप्ता की इस पहल को सराहा है। फैबियन जोसेफ कहते हैं:-'सुमित गुप्ता जैसे पुलिसकर्मी हमारे समाज की सच्ची ताक़त हैं। सोशल मीडिया का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं, बदलाव लाने के लिए भी किया जा सकता है - और सुमित इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। उनके पेज ने मुझे भी कई बार प्रेरित किया है।' उन्होंने आगे कहा: 'मैं चाहता हूँ कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस पहल को देखें और समझें कि पुलिस महज़ एक वर्दी नहीं, एक इंसान भी होती है।' सोशल मीडिया पर मिल रही है

पुलिस वाले अच्छे होते हैं पेज के संस्थापक

ज़बरदस्त प्रतिक्रिया- इस फेसबुक पेज को हज़ारों लोग फॉलो कर रहे हैं और हर पोस्ट पर लोगों की सकारात्मक टिप्पणियाँ आ रही हैं। कई लोगों ने यह भी लिखा कि इस पेज ने उनकी सोच को बदला है। पुलिसिंग की एक नई परिभाषा- सिपाही सुमित गुप्ता जैसे कर्मठ और सकारात्मक सोच वाले जवान यह साबित कर रहे हैं कि बदलाव केवल ऊपर से नहीं, नीचे से भी शुरू हो सकता है। उनके प्रयास न केवल प्रेरणास्पद हैं, बल्कि आज की पुलिसिंग को एक नया मानवीय दृष्टिकोण भी दे रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पॉकेट 7 में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आर डब्ल्यू ए द्वारा एक

दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पॉकेट वासियों ने दीप और मोमबत्तियां जलाकर स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले अमर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। सभी ने अपने हाथों में मोमबत्ती लेकर पूरे पॉकेट का चक्कर लगाया इस बीच वीर शहीद अमर रहें, वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारों से माहौल देशभक्तिमय हो गया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि हम उन महान शहीदों को याद कर रहे हैं जिनकी बदौलत देश को स्वतंत्रता मिली। देश की आन बान शान के लिए जिन्होंने अपने प्राणों तक को न्योछावर कर दिया ऐसे अमर शहीदों को हृदय से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। भारत देश की एकता , अखंडता हमेशा कायम रहे और यह प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर रहे इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, उत्तम चंद्रा, रमेश चंद शर्मा, दीपक तिवारी, धीरज कन्याल, विकास कुमार, सुभाष शर्मा, संजय पांडे, अंगद सिंह, शिववृत तिवारी, महेंद्र पाल सिंह, राजवीर सिंह, रमेश शर्मा, नवल मिश्रा, विष्णु शर्मा, अनूप सिंह, अनूप शर्मा, आर के शर्मा सहित तमाम पॉकेट वासी मौजूद रहे।

'मेरी पत्नी का बुआ के बेटे से अफेयर',विडिओ बना सपा नेता ने की आत्महत्या

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र के नेहरुपुर चुंगी में

उस समय सनसनी फैल गई, जब समाजवादी पार्टी (सपा) की अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश सचिव 29 वर्षीय सोहित उर्फ जयदेव बौद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड कर अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सोहित ने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर मानसिक शोषण और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।जानकारी के अनुसार, सोहित ने करीब चार साल पहले हजरतपुर निवासी एक महिला से प्रेम विवाह किया था। शुरुआती समय में सब ठीक रहा, लेकिन बीते कुछ समय से उनके बीच पारिवारिक विवाद गहराता चला गया। सोहित ने अपने वायरल वीडियो में दावा किया कि उनकी पत्नी का उनकी बुआ के बेटे के साथ अवैध संबंध था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस रिश्ते का विरोध किया, तो पत्नी और ससुराल वालों ने उन पर तलाक के लिए दबाव बनाया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इस मानसिक तनाव से त्रस्त होकर सोहित ने देर रात अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।घटना की सूचना मिलते ही खुर्जा नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई रोहित ने थाना खुर्जा नगर में तहरीर देकर पत्नी और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। रोहित ने बताया कि सोहित ने अपने वीडियो में पत्नी और ससुराल वालों द्वारा लगातार उत्पीड़न की बात कही थी।एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक और फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शव का पंचायतनामा और पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर थाना खुर्जा नगर में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है।सोहित का वायरल वीडियो स्थानीय समुदाय और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो ने न केवल इस घटना को सुर्खियों में ला दिया है, बल्कि वैवाहिक रिश्तों और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं ने सोहित के निधन पर शोक व्यक्त किया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन शुकदेव जन्म की मार्मिक कथा का वर्णन हुआ

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन मंदिर शिव शक्ति धाम पॉकेट 12 में

गुरूवार को आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास आचार्य अमित दीक्षित ने भीष्म स्तुति, कुंती स्तुति, परीक्षित जन्म, शुकदेव जन्म आदि कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना वंदना कराई। शुकदेव जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान शिव माता पार्वती को अमर कथा सुना रहे हैं , माता को नींद आ जाती है और उनकी जगह एक तोता हुंकारी भरने लगता है। जब शिव जी को पता चला तो उन्होंने शुक को मारने के लिए त्रशूल छोड़ दिया। तीनों लोकों में भागता शूक व्यास जी के आश्रम पहुंचा और उनकी पत्नी के मुख से गर्भाशय में पहुंच गया जहां वह बारह वर्ष तक रहे और भगवान कृष्ण के आश्वासन के बाद जन्म लिया। कथा रोजाना 5 बजे से 8 बजे तक हो रही है। सृष्टि वर्णन, कथा में सती शिव विवाह, कपिल उपाख्यान आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आप सभी भगवत चरण अनुरागी भक्तजन कथा में पधारकर कथा रूपी अमृत का पान अवश्य करें। इस अवसर पर सहित तमाम नगर वासी पॉकेट वासी,भक्तजन मौजूद रहे।

नन्हे परिंदे कार्यक्रम में 200 बच्चों को स्कूल किट पुलिस कमिश्नर द्वारा दिया गया

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतम बुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 'नन्हे परिंदे' कार्यक्रम के अंतर्गत वैकल्पिक शिक्षा से औपचारिक शिक्षा में प्रवेश साहस, परिश्रम और लगन की सराहना की गयी। उनके द्वारा बताया गया कि गौतमबुद्धनगर पुलिस, एचसीएल फाउंडेशन व चेतना संस्था द्वारा सयुंक्त रूप से संचालित नन्हे परिंदे परियोजना सीएसआर के तहत एक सफल त्रिपक्षीय मॉडल है, जहां गौतमबुद्धनगर पुलिस, चेतना एनजीओ और एचसीएल फाउंडेशन मिलकर सड़क से जुड़े बच्चों को शिक्षा और जीवन कौशल से जोड़ते हैं, पुलिस और बच्चों के बीच सकारात्मक संबंध बनाते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, जिससे बच्चे गलत रास्ते पर जाने से बचते हैं। इसके उपरांत एचसीएल के वीसी एसोसिएट्स श्री रजत चन्दौसिया द्वारा 15 कि0मी0 व 80 कि0मी0 स्पर्धाओं में 2 बार क्षेत्रीय पदक व 3 बार अंतरजनपदीय विजेता महिला आरक्षी दीपिका को बधाई देते हुए एचसीएल फाउंडेशन की ओर से उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा व खेल उत्कृष्टता हेतु साइकिल भेंट कर सम्मानित किया गया। महिला आरक्षी दीपिका, एक समर्पित पुलिसकर्मी और एक कुशल पेशेवर बाइसाइकिल चालक है, जिनकी बचपन से ही साइकिल चलाने के प्रति गहरी लगन रखती थीं। पुलिस बल में शामिल होने के बाद, उन्होंने इस जुनून को फिर से जगाया और नए दृढ़ संकल्प के साथ इसे आगे बढ़ाया है और गौतमबुद्धनगर पुलिस को गौरवान्ति किया है। इस मौके पर अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ0 राजीव नारायण मिश्र, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति प्रीति यादव, एचसीएल फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ0 निधि पुंडीर, चेतना एनजीओ हेड संजय गुप्ता व एडीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति मनीषा सिंह, एसीपी-1 नोएडा प्रवीण कुमार सिंह, एसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति प्रशाली गंगवार अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पाने वाले 200 बच्चों का प्रोत्साहन करते हुए पुरस्कार, स्कूल किट व उपहार वितरित किये गये। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में 'नन्हे परिंदे' कार्यक्रम के अंतर्गत वैकल्पिक शिक्षा से औपचारिक शिक्षा में प्रवेश पाने वाले 200 बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन साभागार पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-108 में किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों का प्रोत्साहन करते हुए उन्हे पुरस्कार, स्कूल किट, पाठ्य सामग्री व उपहार वितरित किये गये। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा सभी बच्चों से प्यार व स्नेह देकर बातचीत की गई तथा उनके उत्साहवर्धन हेतु स्कूल बैग, लंच बॉक्स और पेन्सिल बॉक्स वितरित किये गये। उनके द्वारा बताया गया कि 'नन्हे परिंदे' परियोजना इस बात का प्रमाण है कि जब पुलिस, संस्थाएं और समुदाय मिलकर कार्य करते हैं तो बदलाव की एक मजबूत लहर पैदा की जा सकती है। यह पहल नोएडा, ग्रेटर नोएडा के वंचित बच्चों के लिए उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रही है। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह, डॉ. निधि पुंधीर (एसवीपी, ग्लोबल सीएसआर, एचसीएलटेक एवं निदेशक (एचसीएल फाउंडेशन) और श्री संजय गुप्ता (निदेशक, चेतना) द्वारा बच्चों के उन्हें अपने सपनों को पूरा करने एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए और अधिक सशक्त बनाया जा सके। नन्हे परिंदे शिक्षा से वंचित बच्चों को एक ऐसा सुरक्षित स्थान प्रदान करता है, जहां उन्हें वैकल्पिक शिक्षा प्रदान करते हुए औपचारिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ा जा सके। 'नन्हे परिंदे' परियोजना वर्ष 2021 में शुरू हुई थी जो कमिश्नरेट गौतम बुद्धनगर पुलिस, चेतना एनजीओ तथा एचसीएल फाउंडेशन की साझा पहल है। इस पहल के माध्यम से वंचित व सड़क से जुड़े बच्चों को गैर-औपचारिक शिक्षा, ब्रिज व रेमेडियल कक्षाएं, औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाना और जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और आत्म-जागरूकता विकसित हो सके। अब तक 3,200 से अधिक बच्चों को इस परियोजना से लाभ मिला है, जिनमें से 1,173 बच्चों का औपचारिक विद्यालयों में सफलतापूर्वक दाखिला कराया गया है। इसके अलावा, 906 जीवन कौशल और नेतृत्व विकास सत्र परिंदे परियोजना सीएसआर के तहत एक सफल त्रिपक्षीय मॉडल है, जहां गौतमबुद्धनगर पुलिस, चेतना एनजीओ और एचसीएल फाउंडेशन मिलकर सड़क से जुड़े बच्चों को शिक्षा और जीवन कौशल से जोड़ते हैं, पुलिस और बच्चों के बीच सकारात्मक संबंध बनाते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, जिससे बच्चे गलत रास्ते पर जाने से बचते हैं। इसके उपरांत एचसीएल के वीसी एसोसिएट्स श्री रजत चन्दौसिया द्वारा 15 कि0मी0 व 80 कि0मी0 स्पर्धाओं में 2 बार क्षेत्रीय पदक व 3 बार अंतरजनपदीय विजेता महिला आरक्षी दीपिका को बधाई देते हुए एचसीएल फाउंडेशन की ओर से उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा व खेल उत्कृष्टता हेतु साइकिल भेंट कर सम्मानित किया गया। महिला आरक्षी दीपिका, एक समर्पित पुलिसकर्मी और एक कुशल पेशेवर बाइसाइकिल चालक है, जिनकी बचपन से ही साइकिल चलाने के प्रति गहरी लगन रखती थीं। पुलिस बल में शामिल होने के बाद, उन्होंने इस जुनून को फिर से जगाया और नए दृढ़ संकल्प के साथ इसे आगे बढ़ाया है और गौतमबुद्धनगर पुलिस को गौरवान्ति किया है। इस मौके पर अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ0 राजीव नारायण मिश्र, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति प्रीति यादव, एचसीएल फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ0 निधि पुंडीर, चेतना एनजीओ हेड संजय गुप्ता व एडीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति मनीषा सिंह, एसीपी-1 नोएडा प्रवीण कुमार सिंह, एसीपी महिला सुरक्षा श्रीमति प्रशाली गंगवार अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया गया

नोएडा। 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट' के तत्वाधान में 'स्वतंत्र भारत उत्सव, कवि सम्मेलन' का आयोजन ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल, रोजा जलालपुर, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट)के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति श्रीचंद शर्मा, शिक्षक एमएलसी मेरठ सहारनपुर खंड भाजपा, गोपाल कृष्ण अग्रवाल,राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा, अभिषेक शर्मा ,जिलाध्यक्ष भाजपा गौतम बुध नगर, सतेन्द्र नागर जिला उपाध्यक्ष भाजपा,यशवीर नागर, ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल चेयरमैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया गुप्ता ने भिन्न-भिन्न क्षेत्र के प्रसिद्ध कवियों को आमंत्रित किया। दीप प्रज्वलन के बाद सभी कवियों ने बारी बारी से काव्यपाठ प्रस्तुति किया। खचाखच भरे सभागार में प्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती पल्लवी त्रिपाठी जी (सूत्रधार/संचालक) नोएडा के साथ डॉ भारद्वाज अश्क (अध्यक्षता) फरीदाबाद, कवयित्री डॉ ज्योति उपाध्याय, श्रृंगार गाजियाबाद,जितेंद्र जीत, गीतकार दिल्ली, प्रदीप मायूस जी वीरस शामली, प्रीतम सिंह जी वीरस शामली,सभी कवियों के द्वारा राष्ट्रमय काव्य पाठ की प्रस्तुतियों दी गयीं। श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया गुप्ता ने इस कार्यक्रम को सफल ,दिव्य, भव्य बनाने के लिए श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के सदस्य पप्पू पाण्डेय, सचिन कुमार, शम्भू नाथ सिंह, धर्मवीर शर्मा, अमरकांत झा,मनोज दास, रामप्रसाद सिंह, अशोक यादव, ललित शर्मा, सुखदेव राणा, राम भरोसे झा, अंजनी, संजीव सक्सेना, पदम सिंह, हंसमणी शुक्ला, बच्चे लाल, विजय सक्सेना, मनोज सिंह,प्रकाश जोशी, घनश्याम जोशी, मिथलेश राय,प्रदीप प्रसाद, पंकज,संदीप, लोकेंद्र, हनुमान कुमार, हरि सिंह,विजय कुमार, कोमल यादव, राहुल, अवनीश तिवारी, के के झा, ललित फुलारा, राम सिंह, जी डी शर्मा,पान सिंह,दीपक, मनोज सिंह,रश्मि राघव, ललिता तोमर, विभा शुक्ला, लक्ष्मी पाल, रीता मिश्रा, प्रिया सिंह, भावना पांडे, सीमा सिंह,वंदना पाठक,कंचन झा, निशिता कल्याण, रोजी,सीमा शुक्ला,रेणु सचान,ममता उपाध्याय,सुधा राजपूत, सोमेंद्र मलकानी ,बी आर रतूड़ी सहित भारी संख्या में पॉकेट वासी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया गया

नोएडा। 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट' के तत्वाधान में 'स्वतंत्र भारत उत्सव, कवि सम्मेलन' का आयोजन ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल, रोजा जलालपुर, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट)के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति श्रीचंद शर्मा, शिक्षक एमएलसी मेरठ सहारनपुर खंड भाजपा, गोपाल कृष्ण अग्रवाल,राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा, अभिषेक शर्मा ,जिलाध्यक्ष भाजपा गौतम बुध नगर, सतेन्द्र नागर जिला उपाध्यक्ष भाजपा,यशवीर नागर, ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल चेयरमैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया गुप्ता ने भिन्न-भिन्न क्षेत्र के प्रसिद्ध कवियों को आमंत्रित किया। दीप प्रज्वलन के बाद सभी कवियों ने बारी बारी से काव्यपाठ प्रस्तुति किया। खचाखच भरे सभागार में प्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती सहयोगी साथी, क्षितिज गुप्ता, आशुतोष श्रीवास्तव, नारायण गुप्ता, कृष्णा शुक्ला, राहुल शर्मा, एवं समस्त साथियों एवं ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए धन्यवाद और आभार एवं शुभकामनायें प्रेषित की। साथ ही समिति अध्यक्ष कन्हैया गुप्ता जी ने यह उद्घोषणा भी की कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट' द्वारा हैबतपुर में भव्य रामलीला आयोजन के साथ-साथ अक्टूबर में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का पुनः आयोजन किया जाएगा।

लौंग में नशीला पदार्थ खिलाकर ज्योतिषी ने गंदा काम किया,लखनऊ में आर्य समाज मंदिर में रचाई शादी, पति से करवा दिया तलाक

लखनऊ। लखनऊ की महिला को भविष्यवाणी में फंसाकर ज्योतिषी ने पति से तलाक करा दिया। नशीला

पदार्थ खिलाकर शारीरिक शोषण किया। आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। मारपीट की। बाद में घर से गहने और नकदी लेकर भाग गया। पीड़िता ने आरोपी ज्योतिषी के खिलाफ चिनहट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सुरेंद्रनगर चिनहट निवासी महिला ने बताया कि नवंबर 2022 में मानस विहार अपोजिट घोड़े वाला मंदिर निवासी सुभाशीष मुखर्जी उर्फ दादा एस्ट्रोलाजर से परिचय हुआ। सुभाशीष ने भविष्यवाणी में फंसाकर पति से तलाक करा दिया। इसके बाद जो भी रिश्ते आए उन्हें गलत बताकर मना करवाता रहा। कहता रहा कि उनकी शादी 50 साल से ज्यादा उम्र के व्यक्ति से होनी लिखी है। इस दौरान लौंग में नशीला पदार्थ खिलाकर शारीरिक शोषण किया। इसके बाद ब्लैकमेल करने लगा। बहाने से अपने साथ ले गया। प्रसाद में नशीला पदार्थ दिया। इससे उनकी मति भ्रमित हो गई। 28 नवंबर 2022 को आर्य समाज मंदिर, अलीगंज में उनसे शादी कर ली। इस विवाह में उसका कोई परिजन या रिश्तेदार मौजूद नहीं था। शादी के बाद से सुभाशीष ने उसे लगातार शारीरिक, मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना दी।पीड़िता के मुताबिक, शादी के कुछ दिनों बाद ही सुभाशीष की असली मानसिकता सामने आ गई। वह लगातार पैसों और आभूषणों की मांग करने लगा। मना करने पर गाली-गलौज और मारपीट करता था। इतना ही नहीं अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता का कहना है कि शादी के बाद पता चला कि सुभाशीष पहले से शादीशुदा था। कोरोना काल में उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। उसकी एक बेटी भी है, जो बेंगलुरु में रहती है।

कोडिंग' की दाल में 'केयरिंग' का तड़का नौकरी की सही रेसिपी है

वह पोस्ट ग्रेजुएट है। उसने कई इंटर्नशिप भी की। फिर एक राजनेता के ऑफिस में काम किया, जहां वो उनके मतदाताओं से मिलती। वो स्मार्ट है। संचार में

और वहां आने वाले लोगों को संभालने में कुशल है। चूंकि वो आम महिला-पुरुषों को अधिकारीगण आदि से मिलाने में मदद करती थीं, जिनके निर्णयों से जनता को लाभ होता है। ऐसे में उसने किसी व्यक्ति की समस्या को समाधान प्रदाता से मिलाने की कुशलता विकसित कर ली। लेकिन उसकी एक ही समस्या थी। राजनेताओं के कामकाज का कोई समय नहीं होता। रोजाना लंबे समय तक काम करने से उसके बच्चे पर असर पड़ रहा था। इसीलिए उसने नौकरी बदलने का निर्णय किया। पिछली जनवरी में उसने एक बड़े अस्पताल में काम करने वाले मेरे एक परिचित से संपर्क किया, ताकि वह वहां नौकरी के लिए उनकी सिफारिश कर सके। और उसे नौकरी मिल गई।जाहिर तौर पर वह इसलिए चुनी गई, क्योंकि उसमें शिकायत करने वाले मरीजों को संभालने की क्षमता थी और जॉइन करने के पहले दिन से ही वह उन्हें शांत रखने लग गईं। 6 महीने का प्रोबेशन पूरे करने से पहले, महज एक महीने में ही उसने स्थायी नौकरी की मांग कर दी। और उसे वह भी मिल गई। उसका ख्याल मुझे तब आया जब मैं इस हफ्ते जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के डेटा पढ़ रहा था।इसमें बताया गया कि 15 से 29 साल के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर एक महीने में एक प्रतिशत बढ़ गई है। जून में ये 18.8फीसदी हो गई। कहीं ना कहीं यह दो बातों की ओर संकेत करती है। 1. अकेली शिक्षा अब रोजगार-स्थायित्व की गारंटी नहीं। 2. नियोक्ता चाहते हैं कि आप जॉइन करने के पहले दिन से ही रिजल्ट देने लगें। मुंबई में कुशल व शिक्षित युवाओं की एक पीढ़ी अभी भी बेरोजगार है।जी हां, ये वही शहर है, जहां गर्व से कहते थे कि 'मुंबई में कोई भूखा नहीं सोता।' लेकिन आज यह बात सच नहीं है। मुम्बई ऐसा अकेला शहर नहीं है। अमेरिका से लेकर यूके तक दुनियाभर में कॉलेज ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं के बीच बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।अमेरिका के भी ऐसे मासिक बेरोजगारी डेटा की पड़ताल करें तो पता चलता है कि अमेरिकी पुरुषों में भी बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। यह पांच प्रतिशत से कम थी, जो अब 7फीसदी से अधिक हो गई है। जबकि महिलाओं में बेरोजगारी घटी है। इस दावे का समर्थन करने वाले एक डेटा से पता चलता है कि पिछले एक वर्ष में युवा महिला ग्रेजुएट्स द्वारा भरी गई 1.35 लाख नौकरियों में से 50 हजार नौकरियां अमेरिका के हेल्थ केयर सेक्टर में थीं।स्पष्ट रूप से इसका कारण उम्रदराज आबादी की बढ़ती मांग के साथ ऑटोमेशन, घरों में एआई संचालित उपकरणों का प्रवेश और रोजमर्रा की चिकित्सा जरूरतें हैं। ये सब बताता है कि एआई मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक है।इसका जवाब सही भी है और गलत भी। सही इसलिए, क्योंकि यह उतनी नौकरियां पैदा नहीं कर रहा, जितनी पुरानी नौकरियां खत्म कर रहा है। गलत इसलिए, क्योंकि एंट्री लेवल सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के पदों पर भर्तियों में फिर उछाल देखा जा रहा है। इसलिए तकरीबन 30 वर्ष की उम्र के लोग, जो कम से कम 60 हजार रु. प्रतिमाह वाली नौकरी खोज रहे हैं, उन्हें उस स्थान की जनसांख्यिकी भी पढ़नी चाहिए, जहां नौकरी ढूंढ रहे हैं। और उन्हें कोडिंग से 'केयरिंग' की ओर रुख करना चाहिए। मुंबईकरों में नया नारा है, 'कोडिंग सीखने के साथ-साथ केयरिंग भी सीखो।'ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर के तौर पर मुंबई भी बूढ़ा हो रहा है। और उस आबादी को देखभाल चाहिए। यही कारण है कि शुरुआत में जिस लड़की का जिक्र मैंने किया, उसे हेल्थ सेक्टर में जल्दी नौकरी मिल गई। और वह पहले दिन से ही अपने नियोक्ता के लिए समस्याओं का समाधान करने वाली बन गई।फंडा यह है कि जैसे पैसा कंपनी के प्रदर्शन के पीछे भागता है, मेरा मतलब निवेशक निवेश से पहले कंपनी की परफॉर्मेंस देखते हैं, वैसे ही आपका प्रदर्शन करियर को आगे बढ़ाता है। हेल्थकेयर जैसा क्षेत्र चुनें, जो अभी फल-फूल रहा है। और यदि कोडिंग में 'केयरिंग' का तड़का लगा सकते हैं तो फिर देखिए कैसे आपकी 'रेसिपी' जायकेदार बन जाएगी। मेरा मतलब है आपकी सैलरी! (एन. रघुरामन)

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी ज़िम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस

समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन ?थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्ठी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले एहसास हुआ कि किसी एक घर उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्ठी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइकिलिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंके। (एन. रघुरामन)

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे ज़ख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए,

जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद के वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें! एन. रघुरामन

एआई में यह एक गुण कभी नहीं आ सकेगा!

इस बार रक्षाबंधन पर 15 साल की अनामता ने 14 साल के शिवम को राखी बांधी। हमारे जैसे पाठकों के लिए इसमें कुछ

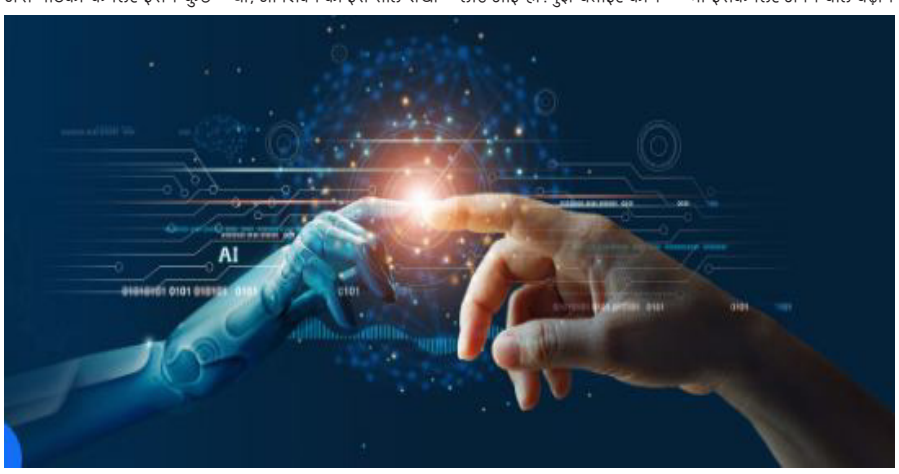

भी नया नहीं है क्योंकि रक्षाबंधन पर राखी बांधी ही जाती है। लेकिन उस समय सिर्फ शिवम ही नहीं, लगभग सभी की आंखें नम हो गई थीं और शिवम के आंसू तो उसके हाथों पर गिरने लगे थे।उसने धीरे से उन्हें पोंछा, लेकिन जितना वह पोंछता, उसके आंसू

उतने ही बहते जाते। वो आंसू तमाम आंसुओं की तरह थे- नम और कोमल। वो हाथ भी वही था, जिसे उसने पहले भी कई बार चूमा और सहलाया था, जब तक कि पिछले साल उसकी बहन की ब्रेन हैमरेज से मृत्यु नहीं हो गई। परिवार का कोई भी सदस्य शिवम की आंखें पोंछने या उसके सिर या कंधे पर हाथ रखकर उसे शांत करने को आगे नहीं बढ़ पाया, क्योंकि कोई भी अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहा था। वो जानते थे कि रिया अब वापस लौटकर नहीं आ सकती। लेकिन अनामता के शरीर में वह रिया का ही हाथ था, जो शिवम को इस साल राखी बांधने के लिए गुजरात तक आई थी। उन्हें लगा जैसे रिया किसी और शरीर में वापस लौट आई हो!मुझे बताइए कौन-सा एआई आपमें ये भावनाएं जगा सकता है? वो तो वह भी नहीं कर सकता, जो 9 वर्षीय प्रणव दास ने चेन्नई में अपने भाई माधव दास के लिए किया था! जब माधव गिर पड़ा और उसके सिर पर टांके लगाने पड़े तो उसका सिर मुंडवाया गया था। प्रणव ने भी अपने बाल कटवा लिए, ताकि उसका हाथ अनामता को मिला।अनामता कंधे के स्तर पर हाथ का प्रत्यारोपण पाने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बनी थी। पिछले सितंबर में रिया को ब्रेन-डेड घोषित किए जाने के बाद अनामता को प्रत्यारोपण के लिए एक जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा था। मिस्त्री परिवार इतने महीनों से जिस दर्द को महसूस कर रहा था, वह तब उस लड़की के लिए गहरे स्नेह में बदल गया, जब वो उनके बेटे की कलाई पर माधव खुद को अलग-थलग महसूस न करे। कितने एआई ऐसा कर सकते हैं?आज ये दोनों बच्चे लंबे बालों के साथ स्कूल आते हैं। उनके बाल करीने से बंधे होते हैं! क्योंकि दोनों भाइयों को यह अहसास हो गया है कि जिन युवा कैंसर रोगियों को इलाज के लिए सिर मुंडवाना पड़ता है, वो क्या महसूस करते हैं। उन्होंने ऐसा करने के लिए अपने प्रिंसिपल से लिखित अनुमति ली है और वे ?ऐसे बच्चों के लिए मुफ्त विग बनाने लगे और चेरियन फाउंडेशन को मदद करने लगे, जो कि वंचित समुदायों को स्वास्थ्य-सेवाएं प्रदान करने को समर्पित एक एनजीओ है। हाल ही में इसने भारत भर में आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर पीड़ितों को दान दिए गए विगों की संख्या के 2,000 के पार होने पर जश्न मनाया था। इसे वे 'अपने बालों को गिफ्ट देकर आत्मविश्वास का उपहार देना' कहते हैं।यह लेख सेल्वा बूंदा का उल्लेख किए बिना पूरा नहीं हो सकता। वे एक ऐसी मां हैं, जिनका प्यार असीम है। तमिलनाडु के त्रिची जिले के कत्तूर की इस गृहणी ने 22 महीनों (अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 तक) की अवधि में 300.17 लीटर से ज्यादा ब्रेस्ट-मिल्क का दान दिया, जिससे समय से पहले जन्मे और बीमार अनगिनत नवजात शिशुओं की जान बची और एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना। उन्होंने कहा, एक छोटा-सा योगदान भी उस बच्चे को पोषण दे सकता है, जिसे इसकी सख्त जरूरत हो। यह विचार अपने आपमें लोगों को सक्रिय होने के लिए प्रेरित कर सकता है। उनकी कहानी हमें एक बार फिर यह याद दिलाती है कि करुणा कैसे कोमल जीवन को बदल सकती है। फंडा यह है कि एआई किसी फैक्टरी या दफ्तर में तो सब कुछ कर सकता है, लेकिन यकीन मानिए, वो वह सब कभी नहीं कर सकता, जो मानवीय करुणा कर सकती है। अगर आप वाकई एआई को हराना चाहते हैं, तो अपने अंदर करुणा के गुण को अलग-अलग तरह से जितना हो सके बढ़ाएं। एन. रघुरामन

सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होमे भेजने का आदेश, रोकने वालों पर होगी कार्रवाई

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और नई दिल्ली नगर निगम को आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़ने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 8 हफ्ते के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर एक स्थायी शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए।सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई भी संगठन कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फिलहाल आप सभी नियमों को भूल जाइए। हमें सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़ना होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए कि बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सड़कों पर सुरक्षित रहें और उन्हें रेबीज का खतरा न हो।

रु0 से 1 करोड़ रुपए के पार पहुंचा बिटकॉइनःकिसने बनाया कोई नहीं जानता, इसे बनाने वाले ने खुद को क्यों छिपाया

'उस वक्त बिटकॉइन की कीमत इतनी कम थी कि 10,000 की वैल्यू महज 41 डॉलर थी। लास्जलो की पोस्ट पर जेरेमी स्टर्डिवेंट नाम के एक शख्स ने जवाब दिया। जेरेमी ने पापा जॉन्स से दो पिज्जा ऑर्डर किए और लास्जलो के पते पर डिलीवर करवाए। बदले में लास्जलो ने जेरेमी को 10,000 बिटकॉइन भेजे। ये बिटकॉइन का पहला रियल-वर्ल्ड ट्रांजैक्शन था। इसे 'बिटकॉइन पिज्जा डे' के नाम से जाना जाता है। उस वक्त किसी को नहीं पता था कि बिटकॉइन की कीमत भविष्य में आसमान छूएगी। आज एक बिटकॉइन की कीमत 1.08 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।क्यों खास है ये ट्रांजैक्शन? ये पहला मौका था जब बिटकॉइन को किसी फिजिकल आइटम, यानी पिज्जा के लिए इस्तेमाल किया गया। ऐसे में सबसे पहले पता चला कि बिटकॉइन सिर्फ डिजिटल कोड नहीं, बल्कि असल में पैसे की तरह काम कर सकता है। आज के हिसाब से देखें तो 10,000 बिटकॉइन की कीमत

10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। लोग मजाक में कहते हैं कि ये 'दुनिया के सबसे महंगे पिज्जा' थे। गुमनाम फाउंडर- बिटकॉइन का फाउंडर कौन है किसी को नहीं पता। बस एक रहस्यमयी नाम सामने आया- सतोशी नाकामोटो। कोई नहीं जानता कि ये शख्स था, कोई ग्रुप था, या बस एक नाम। 2008 में सतोशी ने एक ऑनलाइन क्रिप्टोग्राफी मेलिंग लिस्ट पर एक व्हाइटपेपर पोस्ट किया था, जिसका टाइटल था- 'बिटकॉइनः अ पीर-टु-पीर इलेक्ट्रॉनिक कैश सिस्टम।' ये वो पहला मौका था जब किसी ने सतोशी नाम सुना। जनवरी 2009 में, सतोशी ने बिटकॉइन का पहला सॉफ्टवेयर रिलीज किया और नेटवर्क शुरू किया। उन्होंने खुद पहला बिटकॉइन ब्लॉक माइन किया। सतोशी फोरम्स पर एक्टिव रहे, डेवलपर्स के साथ बातचीत करते, बिटकॉइन को बेहतर बनाने के लिए सुझाव देते। लेकिन फिर, 2011 में वो अचानक गायब हो गए। एक आखिरी ईमेल में उन्होंने लिखा, 'मैं अब दूसरी चीजों पर काम कर रहा हूं। बिटकॉइन अच्छे हाथों में है।' आज तक कोई नहीं जानता कि सतोशी नाकामोटो कौन थे।कुछ का मानना है कि वो एक जापानी प्रोग्रामर थे, तो कुछ कहते हैं कि ये कई लोगों का ग्रुप था। उनके वॉलेट में करीब 10 लाख बिटकॉइन्स हैं, जो आज अरबों डॉलर के हैं, लेकिन वो कभी छुए नहीं गए।सतोशी की गुमनामी ने बिटकॉइन को और भी रहस्यमयी बना दिया, लेकिन उनकी बनाई ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी ने दुनिया बदल दी। उनकी गुमनामी की 3 बड़ी वजह हो सकती हैः- 1. सिक्योरिटी की चिंताः सतोशी ने बिटकॉइन को एक ऐसी करेंसी के तौर पर बनाया जो सरकारों और बैंकों के कंट्रोल से बाहर है। ये सिस्टम दुनिया की फाइनेंशियल व्यवस्था को चुनौती देने वाला है। अगर सतोशी अपनी असली पहचान बताते, तोष्ठकई देशों की सरकारें और सेंट्रल बैंक सतोशी के पीछे पड़ सकते थे। सब उन्हें मारने या गिरफ्तार कर लेने की कोशिश करते। माना जाता है सतोशी के पास करीब 10 लाख बिटकॉइन हैं। अगर उनकी पहचान सामने आती अपराधी उन्हें निशाना बना सकते थे। 2. डिसेंट्रलाइजेशन की मंशाः एक थ्योरी ये भी है कि सतोशी बिटकॉइन को डिसेंट्रलाइज्ड रखना चाहते थे। यानी सरकार, बैंक और यहां तक कि खुद के कंट्रोल से भी बाहर। अगर वो अपनी पहचान बताते और बिटकॉइन का फेस' बन जाते। ऐसे में लोग बिटकॉइन को उनके नाम से जोड़ने लगते। उनकी हर बात को बिटकॉइन की दिशा तय करने वाली माना जाता, जो उसके मूल विचार के खिलाफ था। सतोशी चाहते थे कि बिटकॉइन कम्युनिटी खुद इसे आगे बढ़ाए। 3. साजिशों और अटकलों से बचनाःअगर सतोशी अपनी पहचान बताते, तो लोग उनके इरादों पर सवाल उठाते। क्या वो बिटकॉइन को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं? क्या वो किसी सरकार या बड़ी कंपनी के लिए काम कर रहे हैं? गुमनाम रहकर उन्होंने ऐसी सारी अटकलों से बचने की कोशिश की। इससे बिटकॉइन का फोकस उनकी पहचान की बजाय टेक्नोलॉजी और इसके मकसद पर रहा। टेक्नोलॉजी- बिटकॉइन एक डिजिटल कोड है जो आपके डिजिटल वॉलेट में रहता है। जैसे आप व्हाट्सएप पर मैसेज भेजते हैं, उसी तरह बिटकॉइन को आप इंटरनेट के जरिए दुनिया में कहीं भी भेज सकते हैं। इसकी कुल संख्या 21 मिलियन है। इससे ज्यादा बिटकॉइन कभी नहीं बनेंगे। यह ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करता है। कल्पना करें कि एक बहीखाता है, जिसमें दुनिया भर के बिटकॉइन लेनदेन लिखे जाते हैं। इस बहीखाते को ब्लॉकचेन कहते हैं और यह हजारों कंप्यूटरों पर एक साथ मौजूद होता है। ब्लॉकचेन एक डिजिटल कॉपी की तरह है जो जानकारी, जैसे लेनदेन को रिकॉर्ड करती है। इसे हर कोई देख सकता है, लेकिन कोई बदल या मिटा नहीं सकता। यह कई कंप्यूटरों पर साझा होती है, इसलिए यह सुरक्षित और भरोसेमंद है। जब आप किसी को बिटकॉइन भेजते हैं, यह लेनदेन ब्लॉकचेन में दर्ज होता है। इसे जांचने और सुरक्षित करने का काम 'माइनर्स' करते हैं, जो अपने कंप्यूटरों की ताकत से गणितीय समस्याएं हल करते हैं। बदले में, उन्हें नए बिटकॉइन मिलते हैं। माइनिंग को एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए एक ताला है और उसकी लाखों चाबियां है। अब इस ताले को खोलने के लिए सभी चाबियों को एक-एक कर लगाकर देखना होगा। जो ताले को सबसे पहले खोलेगा उसे बिटकॉइन मिलेगा।ब्लॉकचेन को ब्लॉकों की एक श्रृंखला के रूप में सोचें। प्रत्येक ब्लॉक कॉपी का एक पेज है जिसमें लेनदेन की सूची होती है (जैसे, आदित्य ने वक्रिम को 100 रुपए भेजे)। जब ब्लॉक भर जाता है, तो उसे लॉक कर दिया जाता है और पिछले ब्लॉक से जोड़ दिया जाता है। नोड्स नामक कंप्यूटर इस जानकारी को जांचते और स्टोर करते हैं, यह सुनिश्चित करके कि यह सही और सुरक्षित है। ब्लॉकचेन बहुत सुरक्षित भी है, क्योंकि यह डेटा को बचाने के लिए गणित और कोड का उपयोग करता है। चूंकि कई कंप्यूटर ब्लॉकचेन की कॉपी रखते हैं, इसे हैक करना मुश्किल है। सबसे ज्यादा बिटकॉइन- कहते हैं सतोशी ने शुरुआती दिनों में करीब 11 लाख बिटकॉइन माइन किए। उनके 22,000 वॉलेट्स में ये कॉइन आज भी रखे हुए हैं। इसकी कीमत अब 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग की दिसंबर 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब इतने ही बिटकॉइन अमेरिकी स्पॉट ईटीएफएस के पास हैं। हालांकि, इन दोनों में से ज्यादा कॉइन किसके पास है इसका सटीक अंदाजा लगाना मुश्किल है।

किश्तवाड़ आपदा- 65 शव बरामद, 40 की पहचानः200प्लस लापता, 500 लोग रेस्क्यू; सीएम अब्दुल्ला से युवक बोला- हमें बस डेड बॉडी दे दो

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चसोटी गांव में सर्च-रेस्क्यू का आज तीसरा दिन है। 14 अगस्त की दोपहर 12.25 बजे यहां बादल फटा था। इस कारण मलबे में दबने से अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 34 शवों की पहचान की जा चुकी है। 500 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किए गए हैं, जबकि 200 लोग अब भी लापता हैं। घायलों की संख्या 180 है, जिनमें से 40 की हालत गंभीर है। सभी घायलों को किश्तवाड़-जम्मू के अस्पतालों में भर्ती किया गया है। 75 लोगों की डिटेल उनके परिजन ने प्रशासन को दी है। रेस्क्यू में एनडीआरएफ की 3 टीमें, सेना (300प्लस जवान), व्हाइट नाइट कोर मेडिकल टीम, पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य एजेंसियां रेस्क्यू में जुटी हैं। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला आज चसोटी पहुंचे। उन्होंने आपदा पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस पर एक शख्स ने उनसे कहा- हमें कुछ नहीं चाहिए, आप सब अपने घर ले जाओ, हमें सिर्फ डेडबॉडी दे दो। मेरी मां-मौसी लापता हैं। युवक ने आरोप लगाया कि यहां पर 20 जेसीबी आई हैं, हम कल से देख रहे हैं कि सिर्फ 2 ही जेसीबी काम कर रही हैं। आज आप आए तो इन्हें चालू किया गया। जब कोई नेता आता है तो जेसीबी चालू कर दी जाती हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए जिले के पड्डर सब-डिवीजन में चसोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सब कुछ बाढ़ में बह गया।चसोटी किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह जगह पड्डर घाटी में है, जो

14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। इस इलाके के पहाड़ 1,818 मीटर से लेकर 3,888 मीटर तक ऊंचे हैं। इतनी ऊंचाई पर ग्लेशियर (बर्फ की चादर) और ढलानें हैं, जो पानी के बहाव को तेज करती हैं। मचैल माता तीर्थयात्रा हर साल अगस्त में होती है। इसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं। यह 25 जुलाई से 5 सितंबर तक चलेगी। यह रूट जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है और इसमें पड्डर से चसोटी तक 19.5 किमी की सड़क पर गाड़ियां जा सकती हैं। उसके बाद 8.5 किमी की पैदल यात्रा होती है।न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस त्रासदी के मंजर डराने वाले हैं। मलबे में कई शव खून से सने थे। फेफड़ों में कीचड़ भर गया था। टूटी पसलियां और अंग बिखरे पड़े थे। स्थानीय लोगों, सेना के जवानों और पुलिस ने घायलों को घंटों मशक्कत के बाद कीचड़ भरे इलाके से खोदकर अपनी पीठ पर लादकर अस्पताल पहुंचाया गया।हादसे के बाद बरामद 65 शवों में से सिर्फ 40 की ही पहचान हो पाई है। इनमें से 22 शव उनके परिजन को सौंप दिए गए हैं।किश्तवाड़ आपदा पर सीएम उमर ने कहा- हमने कई लोगों को खो दिया है। कई लोग लापता हैं। दुल हस्ती डैम साइट के पास एक शव मिलने की भी सूचना मिली है। हमारा पूरा ध्यान रेस्क्यू ऑपरेशन पर है। हम इस कठिन समय में पीड़ितों के साथ खड़े हैं।एलजी मनोज सिन्हा ने कहा है कि किश्तवाड़ आपदा को लेकर अधिकारियों से चर्चा जारी है। राहत-बचाव कार्य की समीक्षा की गई है। बाढ़ में क्षतिग्रस्त घरों को फिर से बनाया जाएगा।जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को किश्तवाड़ आपदा के पीड़ितों के लिए सीएम राहत कोष से मुआवजे की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख, गंभीर रूप से घायल को 1 लाख, मामूली घायल को 50,000, पूरी तरह क्षतिग्रस्त (इमारत) ढांचे के लिए 1 लाख, बुरी तरह क्षतिग्रस्त (इमारत) ढांचे के लिए 50,000 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त ढांचे (इमारत) के लिए 25,000किश्तवाड़ के चसोटी में आई आपदा के पीड़ित ने कहा कि वो 6 घंटे तक मलबे में फंसा रहा था। मचैल माता मंदिर की यात्रा पर आए श्रद्धालु सुभाष चंदर ने बताया- मैं 34 साल से मंदिर की यात्रा में शामिल हो रहा हूं। इस बार भी आया था। जब आपदा आई, तब हम एक बिल्डिंग में लंगर कर रहे थे।

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की मां का निधनः78 साल की उम्र में आखिरी सांस ली

नयी दिल्ली। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की मां, जैकलीन गाइज

बेजोस का कल 78 साल की उम्र में निधन हो गया। बेजोस फैमिली फाउंडेशन एक बयान जारी कर यह खबर दी है। फाउंडेशन ने अपनी वेबसाइट पर बताया 'जैकी का 14 अगस्त को मियामी स्थित उनके घर में 78 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन हो गया।' यह जीवन का एक शांत अंतिम अध्याय था जिसने हम सभी, दोस्तों और परिवार को धैर्य और संकल्प, दया और दूसरों की सेवा का सही अर्थ सिखाया। जैकी को 2020 में ब्रेन डिसऑर्डर लेवी बॉडी डिमेंशिया हो गया था। वे पिछले पांच साल से इस बीमारी से जूझ रहीं थीं। उनके बेटे जेफ बेजोस ने सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी मां को भावुक श्रद्धांजलि दी है। बेजोस ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनकी मां ने सिर्फ 17 साल की उम्र में उन्हें जन्म दिया था, जो कि आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इसे बखूबी निभाया। बेजोस ने कहा, 'उन्होंने मुझे प्यार करने का जिम्मा पूरी शिद्दत से निभाया। कुछ साल बाद उन्होंने मेरे अद्भुत पिता को भी अपने जीवन में शामिल किया, और फिर मेरी बहन और भाई भी आ गए, जिन्हें उन्होंने प्यार, सुरक्षा दी। उनके प्यार करने वाले लोगों की यह सूची कभी खत्म नहीं हुई। उन्होंने हमेशा मांगा कम और दिया ज्यादा।' उन्होंने बताया कि उनकी मां के आखिरी पलों में उनका पूरा परिवार उनके बच्चे, पोते-पोतियां, और उनके पिता उनके साथ थे। बेजोस ने कहा, 'मुझे पता है कि उन आखिरी पलों में भी उन्हें हमारा प्यार महसूस हुआ। हम सब बहुत भाग्यशाली थे कि हम उनके जीवन का हिस्सा बने। मैं उन्हें हमेशा अपने दिल में सुरक्षित रखूंगा।जैकलिन गाइज बेजोस 29 दिसंबर, 1946 को वाशिंगटन, डी.सी. में पैदा हुई थीं। जैकलिन ने 17 साल की कम उम्र में जेफ को जन्म दिया। उस समय भी उन्होंने दिन में काम किया और रात में पढ़ाई की।1968 में उन्होंने मिगुएल माइक बेजोस से शादी की, जिन्होंने जेफ बेजोस को गोद लिया। इस परिवार में बाद में उनके दो और बच्चे, मार्क और क्रिस्टीना भी शामिल हुए। 1995 में, जैकलिन और उनके पति माइक ने जेफ की शुरुआती कंपनी अमेजन में 245,573 डॉलर का निवेश किया था। यह निवेश अमेज़न को एक वैश्विक कंपनी बनाने में बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ।

राम माधव बोले- बीजेपी, आरएसएस के बीच तनाव नहीं,विपक्ष ऐसी अटकलें लगाता है; पीएम ने लाल किले से आरएसएस की तारीफ की थी

नयी दिल्ली। आरएसएस के वरिष्ठ नेता राम माधव ने भाजपा और

आरएसएस के बीच मतभेद की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने शनिवार को न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि दोनों संगठन अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा राजनीति में और आरएसएस सामाजिक सेवा के लिए जानी जाती है। दरअसल, दोनों एक वैचारिक परिवार से जुड़े दो संगठन हैं।'राम माधव के ये बयान ऐसे समय आए हैं जब कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में आरएसएस का जिक्र करने को लेकर आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने संगठन के उल्लेख को 'संविधान और तिरंगे का अपमान' बताया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लाल किले पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में कहा था- 'आज गर्व के साथ मैं इस बात का जिक्र करना चाहता हूं कि 100 साल पहले एक संगठन आरएसएस का जन्म हुआ। 100 साल की राष्ट्र सेवा गौरवपूर्ण है। आरएसएस ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर 100 साल मां भारती के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। सेवा, समर्पण, संगठन और अप्रतिम अनुशासन जिसकी पहचान रही है, ऐसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है।' इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आरएसएस का जिक्र मोहन भागवत को खुश करने के लिए किया, क्योंकि मोदी अब पूरी तरह उनके भरोसे हैं। सितंबर के बाद जब वे 75 साल के हो जाएंगे, तो पद पर बने रहने के लिए मोहन भागवत की मदद पर निर्भर हैं।

मुंबई में दही हांडी बांधने के दौरान पहली मंजिल से गिरा युवक, मौके पर ही मौत

मुंबई। मानखुर्द इलाके में शनिवार को दही हांडी बांधते समय 32 वर्षीय युवक की गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जगमोहन शिवकिरण चौधरी के रूप में हुई है। नगर निगम अधिकारी ने बताया कि युवक अपने घर की पहली मंजिल की खिड़की की ग्रिल से रस्सी से दही हांडी बांध रहा था, तभी वह गिर गया। उसे शताब्दी गोवंडी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

एनसीईआरटी की किताब में जिन्ना, कांग्रेस-माउंटबेटन विभाजन के दोषीःकांग्रेस बोली- इसे फाड़ देना चाहिए, आरएसएस इतिहास का सबसे बड़ा विलेन

नयी दिल्ली। एनसीईआरटी की किताब में मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस पार्टी और लॉर्ड माउंटबेटन को भारत-पाक बंटवारे का दोषी बताया गया है। इसको लेकर कांग्रेस ने आपत्ति

जताई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी से बंटवारा हुआ है। उन्होंने कहा- 'इतिहास का कोई सबसे बड़ा विलेन है तो आरएसएस है। उन्होंने जो किया है, पीढ़ियां उनको माफ नहीं करेंगी। आरएसएस ने उस वक्त के 25 साल मुख बंदी और जुगलबंदी करते हुए गुजारे। आडवाणी जिन्ना की मजार पर सजदा करने गए थे।' दरअसल, एनसीईआरटी ने कक्षा 6 से 8 और 9 से 12 के लिए भारत-पाक बंटवारे पर 2 नए मॉड्यूल जारी किए हैं। ये सामान्य किताबों से अलग हैं। इसमें लिखा है कि बंटवारे की मांग मोहम्मद अली जिन्ना ने की, कांग्रेस ने इसे मान लिया और लॉर्ड माउंटबेटन ने इसे लागू किया। यह जानकारी 'विभाजन के दोषी' नामक हिस्से में दी गई है।समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव- अगर इतिहास के पन्ने पलटकर देखेंगे तो उसमें कई बाते लिखी हैं कि किस-किस ने माफी मांगी थी, सब सामने आ जाएगा।' कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित- मैं एनसीईआरटी को बहस की चुनौती देता हूं। आज एनसीईआरटी बीजेपी के कब्जे में है, जिन्हें बंटवारे के बारे में कुछ पता ही नहीं है। आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा- इतिहास किसी की सोच से नहीं बदलता, उसका पूरा संदर्भ होता है। ये लोग गांधी को भी दोषी ठहराते हैं, कांग्रेस को नहीं। यही इनकी सोच है। भाजपा को नफरत की भाषा ही आती है और ये नफरत के बीज बोने में माहिर हैं। लेकिन अब ये फसल हमारे देश में नहीं उगने वाली। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला- एनसीईआरटी के बंटवारे वाले मॉड्यूल की जानकारी मिली है। सच यह है कि उस समय सत्ता में मुस्लिम लीग, नेहरू की अगुआई वाली कांग्रेस और माउंटबेटन थे। बंटवारा रोक सकते थे तो या मुस्लिम लीग या कांग्रेस। नेहरू के बंटवारे के पक्ष में बयान भी हैं।बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया- यह कहना गलत नहीं होगा कि जिन्ना और राहुल की सोच एक जैसी है और दोनों एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं। हम सब जानते हैं कि अखंड भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ था। जिन्ना की जहरीली सोच, तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता वही सोच आज नकली गांधी यानी राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी में दिखाई देती है।मॉड्यूल में पंडित जवाहरलाल नेहरू के जुलाई 1947 के भाषण का अंश भी जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने कहा था- 'हमें या तो विभाजन स्वीकार करना होगा या फिर लगातार संघर्ष और अराजकता झेलनी होगी।' कश?मीर में आतंकवाद का जिक्र भी शामिल- मॉड्यूल के अनुसार, 1947 और 1950 के बीच, विभाजन ने भारत की एकता को खंडित किया, शत्रुतापूर्ण सीमाएं बनाईं, सामूहिक हत्याएं और विस्थापन को बढ़ावा दिया। सांप्रदायिक अविश्वास को गहरा किया। पंजाब और बंगाल की अर्थव्यवस्थाओं को तबाह कर दिया। जम्मू-कश्मीर को सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या के तौर पर पतन के रास्ते पर डाल दिया। यह बाद में आतंकवाद के कारण और भी बदतर हो गया। नियमित सिलेबस में शामिल नहीं होते मॉड्यूल- एनसीईआरटीके स्पेशल मॉड्यूल कोर्स का हिस्?सा नहीं होते, ये सप्लीमेंट्री मटेरियल होता है जो कोई खास टॉपिक बच्चों को समझाने के लिए तैयार किया जाता है। इसे पोस्?टर्स, चर्चाओं और वाद-विवाद के द्वारा बच्?चों को पढ़ाया जाता है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को भी स्पेशल मॉड्यूल में जोड़ा गया था। पीएम मोदी के भाषण का हिस्?सा भी शामिल- स्?पेशल मॉड्यूल की प्रस्?तावना में पीएम नरेंद्र मोदी के शब्दों को भी शामिल किया गया है। मोदी ने कहा था, 'बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हमारी लाखों बहनें और भाई विस्थापित हो गए और लोगों की नासमझी और नफरती हिंसा के कारण कई जानें गईं। संघर्षों और बलिदान की याद में हमारे लोग 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाएंगे।'

राहुल ने 'वोट चोरी' पर वीडियो जारी किया,लिखा- चोरी चोरी, चुपके चुपके, अब और नहीं, जनता जाग गई; पहले कहा था- ईसी वोट चुरा रहा

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर 'लापता वोट' लिखकर एक वीडियो

शेयर किया। हालांकि, इसमें चुनाव आयोग का जिक्र नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'चोरी चोरी, चुपके चुपके अब और नहीं, जनता जाग गई है।' इसके बाद कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि आपके वोट की चोरी, अधिकारों की चोरी है। आइये हम सब मिलकर वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाएं और अपने अधिकारों को बचाएं। क्या है वीडियो में एक व्यक्ति पुलिस थाने पहुंचता है। खर्राटे ले रहे पुलिसकर्मी से बोलता है। साहब...साहब मुझे रिपोर्ट लिखाना है। पुलिसकर्मी कहता है कि अबे यहां रिपोर्ट नहीं लिखाएगा तो क्या करेगा। तब वह व्यक्ति कहता है- मुझे चोरी की रिपोर्ट लिखानी है। पुलिसकर्मी कहता है, अबे क्या चोरी हो गया। व्यक्ति कहता है कि साहब..साहब वोट चोरी हो गया है। उसका वोट चुरा लिया गया है। वह अधिकारियों से कहता है कि लाखों वोट चुराए जा रहे हैं। इससे पुलिसकर्मी यह सोच में पड़ जाते हैं कि क्या उनका वोट भी चुराया गया है। यह एक मिनट लंबा वीडियो है।12 अगस्त : राहुल ने कहा था- पिक्चर अभी बाकी है.कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 12 अगस्त को कहा था, 'केवल एक सीट नहीं बल्कि बहुत सी सीटें हैं, जहां वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की जा रही है। यह नेशनल लेवल पर सिस्टमेटिकली किया जा रहा है।' बिहार की अपडेट हुई वोटर लिस्ट में 124 साल की 'फर्स्ट टाइम' वोटर मिंता देवी के सवाल पर राहुल ने कहा- हां, मैंने उसके बारे में सुना है। ऐसे एक नहीं, अनलिमिटेड केसेस हैं। पिक्चर अभी बाकी है। राहुल ने कहा- 'चुनाव आयोग यह जानता है और हम भी जानते हैं। पहले कोई सबूत नहीं था, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति एक वोट संविधान की नींव है। ईसी का कर्तव्य है कि वो 'एक व्यक्ति एक वोट' को लागू करे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। हम ऐसा करते रहे हैं और करते रहेंगे।' 10 अगस्तः चुनाव आयोग ने राहुल से सबूत मांगे कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस भेजकर उनके वोट चोरी वाले बयान पर सबूत मांगे। राहुल ने 7 अगस्त को आरोप लगाया था कि महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1 लाख से ज्यादा वोट चोरी हुए हैं और एक महिला ने दो बार मतदान किया। सीईओ ने रविवार 10 अगस्त को कांग्रेस नेता को भेजे लेटर में लिखा कि राहुल ने प्रेजेंटेशन में जो दस्तावेज और स्क्रीन शॉट दिखाए, वे चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते।चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से कहा है कि वे वोट चोरी के अपने दावे को सही मानते हैं तो हलफनामे पर साइन करके दें। अगर उन्हें अपने दावों पर भरोसा नहीं है तो देश से माफी मांगें। न्यूज एजेंसी एएनआई ने चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इधर, राहुल ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' के दौरान कहा कि चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। राहुल ने कहा-'आज जब देश की जनता हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने वेबसाइट ही बंद कर दी। ईसी जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया था। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है।

तमिलनाडु के मंत्री आई पेरियासामी के घर मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का छापा; बेटे और पत्नी के घरों में भी तलाशी

तमिलनाडु। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को धन शोधन की जांच के तहत तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता आई पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों की तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, उनके बेटे और

विधायक आईपी सेंथिल कुमार की भी तलाशी ली जा रही है।उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। पेरियासामी (72) ग्रामीण विकास, पंचायत और पंचायत संघ मंत्री हैं।

रेनूसागर बेस्ट प्लेस टू लाइव एंड वर्क की ओर अग्रसर -आरपी सिंह

अनपरा सोनभद्र। स्थित हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुसागर के परिसर में स्थित सुमंगलम भवन के प्रांगण में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह, श्रद्धा और देशभक्ति की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया गया। पूरे परिसर को राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से सजाया गया था और वातावरण देशभक्ति गीतों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह राष्ट्रगान एवं तिरंगा फहराने के साथ हुई, जिसमें यूनिट हेड आर.पी. सिंह ने ध्वजारोहण कर कर्मचारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, देश के विकास में उद्योगों की भूमिका को रेखांकित किया।यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रेनूसागर बेस्ट प्लेस टू लाइव और वर्क की ओर अग्रसर है। संस्थान को मिले पुरस्कारों का ज़िक्र करते हुए यूनिट हेड ने कहा कि बड़े गौरव की बात है कि रेनूसागर ट्रेनिंग सेंटर को बेस्ट लर्निंग संस्थान के पुरस्कार से नवाजा गया है। यूनिट हेड ने इस अवसर पर जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए लोगों को जल संरक्षण पर जोर देने के लिए कहा ताकि आने वाला भविष्य सुरक्षित रहे।उन्होंने दिशिता महिला मंडल रेनुसागर एवं सीएसआर द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की

सराहना की।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिशिता महिला मंडल रेनुसागर द्वारा प्रकाशित पत्रिका ' दिशा 'का विमोचन भी यूनिट हेड आर पी सिंह एवं दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की वरिष्ठ सदस्या इंदु सिंह ने किया तथा महिला मंडल के कार्यों की सराहना की और आगे भी समाज सेवा में उनको योगदान देने के लिए प्रेरित किया।स्कूलों के शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम तथा उपलब्धियों के लिए तीनों स्कूलों के प्रधानाचार्य को धन्यवाद देते हुए उनकी प्रशंसा की। यूनिट हेड ने समाज कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया तथा रेनूसागर में हो रहे नए निर्माण के बारे में भी बताया। इसके पूर्व एवीआइसी, एवीपीएस एवं रेनुपावर प्राथमिक पाठशाला के छात्रों द्वारा कालोनी परिसर में प्रभात फेरी निकाली गई।प्रभात फेरी में बच्चों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।वही छात्रों द्वारा शानदार देश भक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मनमोहा। मानव संसाधन प्रमुख शैलेश विक्रम सिंह जी ने भी आए हुए गणमान्य नागरिकों पत्रकारों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी विभागों को धन्यवाद दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हेड मेंटेनेंस जगदीश पात्रा,ऑपरेशन हेड मनीष जैन, एच आर हेड आशीष कुमार पांडे, मन्नू अरोड़ा,संजय श्रीमाली, संदीप यावले, मनीष सिंह, अरविंद सिंह, ,ललित खुराना, ,सतनाम सिंह,आदि वरिष्ठ अधिकारी गण मौजूद रहे। मान्यता प्राप्त श्रम संगठनों के पदाधिकारी अपने कार्यकारिणी सदस्यों के साथ मौजूद रहे। कर्मचारी संबंध प्रमुख मृदुल भारद्वाज के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीव श्रीवास्तव, रोहित सक्सेना, रमेश वर्मा, सदानंद पांडे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम तिवारी ,जितेंद्र गुप्ता और गीतांजलि मिश्रा ने किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विभागों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2025) के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने पहाड़ी पर क्रिटिकल गैप योजना के तहत शकुंत पार्क का फिता काटकर शुभारभ करते हुए जिलाधिकारी श्री बी0 एन0 सिंह व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, इस मौके पर पौध रोपण कर, पार्क निरीक्षण किया गया।

जिला सोनभद्र। मारकुंडी घाटी में अनियंत्रित हो कर टैंकर पलट गई डीजल हुआ खराब शक्ति नगर से वाराणसी जाने वाली मार्ग के बीच के बीच मारकुंडी घाटी में अनियंत्रित होकर पलटी शुक्रवार दोपहर के 2.40 की घटना।

कक्षा नव से 12 योजना अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं द्वारा पांच अक्टूबर तक मास्टर डांटा अपडेट किया जाएगा

सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा निर्गत कि गयी है। समय सारणी अनुसार सभी सम्बंधित हित धारकों करना है। दशमोत्तर अदर दैन इंटर योजना अंतर्गत उच्च शिक्षण

ने अवगत कराया है कि मुख्य सचिव, उत्तर-प्रदेश शासन अनुभाग-3 के पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा9-10) तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) शासनादेशानुसार उ0प्र0 के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रध्छात्राओ को छात्रवृत्ति (शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) भुगतान हेतु समेकित समय सारिणी को कार्यवाही करनी हैं। पूर्वदशम-दशमोत्तर (कक्षा 9 से 12) योजना अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं द्वारा 05 अक्टूबर 2025 तक मास्टर डाटा अपडेट करना है, बच्चों द्वारा 30 अक्टूबर 2025 तक आवेदन करना है तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रथम चरण में 31 अगस्त 2025 तक एवं द्वितीय चरण में 06 नवम्बर 2025 तक नियमानुसार समस्त आवेदनों को रिसीव, वेरीफाई एवं अग्रसारित/निरस्त संस्थानों को 25 नवंबर 2025 तक मास्टर डाटा अपडेट करना है। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं द्वारा 20 दिसंबर 2025 तक आवेदन करना है एवं शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रथम चरण में 10 दिसंबर 2025 तक आवेदनों को अग्रसारित करना है तथा दूसरे चरण में 10 जनवरी 2026 तक समस्त आवेदनों को अग्रसारित करना है।

नपा अध्यक्ष ने स्वतंत्रता दिवस पर फहराया तिरंगा दिया संदेश

गोष्ठी आयोजित कर महापुरुषों पर डाला गया प्रकाश

सोनभद्र। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद के नेतृत्व में चाचा नेहरू पार्क में स्थित स्मृति पर माल अर्पण पुष्परित करते हुए नगर पालिका परिषद में ध्वजारोहणकर गांधी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण आमजन को दिया आजादी का संदेश। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि आजाद देश के मूल योद्धा हमारे पूर्वज है जिनके सिद्धांतो पर चलने का काम हम सभी को करना चाहिए इस मौके पर अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार,जेई राज कुमार, सभासद मनोज चौबे, प्रदीप पटेल, हीरावती, अनवर अली, अजीत सिंह,अमित दुबे सुजीत कुमार,संत सोनी,सूरज, बिमलेश, राम विलास आदि लोग मौजूद रहे।

जिसको राष्ट्र से प्रेम नहीं उसे राष्ट्र में रहने का अधिकार नहीं - पारसनाथ मिश्रा

सोनभद्र (नि.सं)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला प्रशासन व नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्तवाधान में साहित्यकार जगदीश पंथी के संयोजकत्व में नगर स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह सभागार में राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत काव्य संध्या का आयोजन पंडित पारसनाथ मिश्र की अध्यक्षता में तथा सुशील कुमार राही के मुख्य अतिथित्व में संपन्न हुआ। काव्य संध्या में राष्ट्रीय स्तर के कवि गणों के द्वारा एक से बढ़कर एक रचनाएं प्रस्तुत की गई।काव्य संध्या का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के अध्यक्षा रूबी प्रसाद, सूचना निदेशक विनय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख धनंजय पाठक, गुप्तकाशी विकास परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार चतुर्वेदी द्वारा मां वीणा वादिनी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, तत्पश्चात कवित्री अनुपम वाणी के द्वारा मां के लिए वंदना प्रस्तुत किया गया। काव्य संध्या के मुख्य अतिथि सुशील कुमार राही ने रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि' मेरे आस्तीनों में बसने वाले सांप तुम धन्य हो मेरी बधाई स्वीकारो' अर्थात राही का यह कहना रहा की मैं ढेर सारा विश्व की तरह पी रहा हूं फिर भी चंदन की तरह की रहा हूं यहां चंदन की तुलना का संकेत उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी से किया। अध्यक्षता करते हुए पंडित पारसनाथ मिश्र ने कहा कि ' जो देश हित में मरने को तैयार नहीं,उसे देश में रहने का अधिकार नहीं ' अर्थात जिसको राष्ट्र से प्रेम नहीं उसे राष्ट्र में रहने का अधिकार नहीं क्योंकि हमारे देश के विरोधियों का प्राण हमारे देश के छुपे गद्दारों में ही बसता है अब वह समय आ गया है जब गद्दारों को पहचाना जाए तथा देश निकाला किया जाए। काव्य संध्या में देश की जानी-मानी कवित्री रचना तिवारी ने भी अपने सु मधुर गीतों सभागार के वातावरण को मधुमय बना दिया।कवि अजय कुमार चतुर्वेदी कक्का ने तो अपने व्यंग्य कविता के माध्यम से इस प्रकार से ठहाके लगवाए मानो जमीन और आसमान दोनों मुस्कुरा उठे।काव्य संध्या में प्रस्तुति देते हुए दिवाकर द्विवेदी मेघ, लखन राम जंगली ,राकेश शरण मिश्रा,अमरनाथ अजेय, भोलानाथ मिश्र, नजर मीरजापुरी, विजय विनीत तिवारी ,अरुण तिवारी,अशोक तिवारी,बृजमोहन तिवारी,राधेश्याम पाल,गोपाल,प्रेम पावस,दीपक केसरवानी,जयराम सोनी,ईश्वर बैरागी, सुनील तिवारी आकाशवाणी ओबरा,कुमारी श्रीजा, इसरार अहमद,अब्दुल हई आदि कवि गणों ने ऐसी समा बाँधी की मां भारती धानी चुनरिया पहने स्वयं सभागार को आशीर्वाद दे रही हों और श्रोतागण भाव विभोर हो समयावधि को नजर अंदाज कर देर रात तक अपने आप को आजादी के जश्न में डुबाये रखा। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय जगत के जाने माने ख्याति लब्ध कवि जगदीश पंथी ने किया तथा जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद के द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभा कर रहे समस्त कविगणों को अंग वस्त्रम के माध्यम से सम्मान प्रदान किया गया कार्यक्रम में जिला पूर्ति अधिकारी,जनपद के जाने-माने युटुबर विवेक कुमार मालवीय, कृपा शंकर दुबे, हीरामणि मिश्र, पूर्व विधायक तीर्थ राज, एडवोकेट रमेश देव पांडे, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्षा पुष्पा सिंह, नगर पालिका परिषद के समस्त सभासद गण, कर्मचारी गण, प्रेम मिश्रा, पत्रकार गण, व्यवसायी गण, सतीश सिंह, प्रमोद मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण के रूप में मनमोहक निकाली झांकी

सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहाँ नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण के रूप में मनमोहक वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया। कक्षा एलजी के बच्चों ने कान्हा सो जा जरा और यूकेजी के बच्चों ने हैप्पी बर्थडे टू यू के संगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद जैन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कहा कि 'ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के अंदर भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना जगाते हैं तथा उनमें नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं।'विद्यालय के कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय ने भी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'कृष्ण जन्माष्टमी हमें यह संदेश देता है कि हमें सदैव धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए और अन्याय के खिलाफ साहसपूर्वक खड़ा होना चाहिए।' इस अवसर पर अंबर उपाध्याय, सुरेंद्र यादव, अनीता सोनी, सीता पांडे, रागिनी चौबे, दीप्ति मिश्रा आदि शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहें।

पेड़ हैं तो प्राण अभियान के तहत 21आम व 30महोगनी के पेड़ लगाया गया

सोनभद्र। पेड़ हैं तो प्राण अभियान के तहत विधानसभा401 में आज बहन रुपा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पेड़ लगाया गया साथ में

भरसही में बहन रुपा शुक्ला के देहावसान से आहत हूँ मर्माहत हूँ आज शोक संतप्त परिवार में जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया व सभी परिवार जनो व बहनों के साथ में मिलकर रुपा बहन के स्मृति में 21आम व 30महोगनी के पेड़ लगाया गया सभी बहनों ने भी पेड़ लगाया व पेड़ों को बचाने का संकल्प लिया छोटी बहन रुपा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पेड़ लगाया गया साथ में आशिष शुक्ला रोसन हिमान्सु रोहित बहन खुसबु स्वेता गरिमा रुबी रुची अनन्या पुनम मोहित रिसब व अभिभावक श्री राम कृपाल शुक्ला अछय शुक्ला सत्य प्रकाश शुक्ला विजय शुक्ला आकाश चौहान व विजय चौहान व परिवार के लोग उपस्थित रहे. पेड़ हैं तो प्राण हैं विधानसभा401

भाजपाइयों ने मनाया पूर्व पीएम की पुण्यतिथि

सोनभद्र। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेई के पुण्यतिथि पर ग्राम कैथी स्थित अटल उपवन में उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि का कार्यक्रम किया गया साथ ही अटल के जीवन परिचय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि अटल जनसंघ के संस्थापक सदस्य तथा भाजपा के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अटल जी देश के प्रधानमंत्री पद को तीन बार सुशोभित किया अटल राजनेता के साथ-साथ कवि साहित्यकार भी थे जिन्होंने प्रधानमंत्री रहते देश को एक नई दिशा दी तथा राष्ट्र निर्माण में व व्यक्ति के निर्माण में उनका जीवन स्वयं में एक आदर्श है एवं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा ने निवर्तमान जिला अध्यक्ष अजीत चौबे ने बताया की अटल हम कार्यकर्ताओं के लिए आदर्श थे आज उनके पद चिन्हों पर चल कर हम सब कार्यकर्ता अपने को धन्य महसूस करते हैं। एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम के उपरान्त ब्लाक प्रमुख रावर्टसगंज अजीत रावत द्वारा अटल उपवन में पेयजल की व्यवस्था हेतु पानी टंकी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रावटसगंज ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल नगर मंडल अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ग्रामप्रधानगण राजाराम, जितेन्द्र सिंह श्याम नारायण निशांत? पटेल , क्षेत्र पंचायत के सदस्य सुखराज चुर्वक मंडल पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा मुन्नु सिंह मदन मोहन पाठक राम कुमार पटेल अनिल सिंह सुभाष पाठक कृष्ण कान्त दूबे विनायक चौबे आदि लोग उपस्थित रहे एवं आए हुए अतिथियों तथा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद चुर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे ने किया।

तिरंगे की छांव में गूंजा देशभक्ति का स्वर, माँ वैष्णो मॉडर्न स्कूल की तीनों शाखाओं में मनाया गया भव्य समारोह

सोनभद्र। आजादी के 79 वें वर्ष में माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल की तीनों शाखाओं ब्रह्मनगर, जमगाई और परासी पाण्डेय में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन देशभक्ति के उल्लास और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही विद्यालय प्रांगण में तिरंगे की महक, गीतों की गूंज और बच्चों के उत्साह ने माहौल को विशेष बना दिया। तीनों शाखाओं में ध्वजारोहण विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने किया। जिसके बाद राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से मातृभूमि को नमन किया गया।कार्यक्रम में प्रबंधक रमाशंकर दुबे, प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव, शिक्षकगण, अभिभावकगण और छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ब्रह्मनगर शाखा से ऋचा पांडे, पल्लवी, पुष्पलता, ममता श्रीवास्तव, ममता, ऋति अग्रहरी, पूनम श्रीवास्तव, अशोक कुमार, संजय पाण्डेय, विशेष पाठक, सोनू पाठक एवं अमित चतुर्वेदी, जमगाई शाखा से विजय द्विवेदी, अशोक पाठक, खुशी मिश्रा, अंजलि सोनकर एवं प्रिया श्रीवास्तव रही। वहीं परासी शाखा से प्रधानाचार्या शालिनी श्रीवास्तव, अक्षय राज मिश्रा, आशीष पांडे, धीरज पांडेय, प्रियंका, पूजा एवं नासिर अहमद ने अपनी सक्रिय उपस्थिति से अपने-अपने शाखाओं में कार्यक्रम का सफल संचालन कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। विशेष अतिथियों में गोपाल पाठक, लालजी मिश्रा एवं पुण्डरिक पांडेय शामिल रहे। प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाने का अवसर है, और हमें इस स्वतंत्रता की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिए। इसके बाद छात्रों और शिक्षकों ने परेड, भाषण, देशभक्ति गीत और कृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित भजन प्रस्तुत किए, जिनमें राष्ट्रप्रेम और संस्कृति के प्रति गहरी आस्था झलक रही थी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ। अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देंगे और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे।

बी0सी0टी0वी0 बस में हुआ स्वैक्षिक रक्तदान शिविर,उत्सव ट्रस्ट- स्वैक्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन संपन्न

सोनभद्र। उत्सव ट्रस्ट द्वारा भारतीय स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के शुभ अवसर पर जनपद सोनभद्र के तीन स्थानों पिपरी - सी0आई0एस0एफ0 रिहन्द हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट, अनपरा - कन्हैया ट्रेडर्स अनपरा बाजार एवं रेणुकूट में भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद व रेणुकूट प्रेस क्लब के सहयोग से भारत माता एवं देश की आजादी में अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले शहीदों को नमन करते हुए दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्पण, भारत माता की जय के उदघोष के साथ फीता काट कर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। पिपरी शिविर का शुभारंभ चीफ इंजीनियर सुरेश चंद्र व डिप्टी कमांडेंट मुकेश कुमार ने, अनपरा शिविर का शुभारंभ अनपरा के कई गणमान्य लोगों ने एवं रेणुकूट शिविर का शुभारंभ सीओ पिपरी अमित कुमार ने स्वयं पहली बार रक्तदान कर किया। जिले में पहली बार किसी संस्था द्वारा एक ही दिन में तीन स्थानों पर स्वैक्षिक रतदान शिविर का आयोजन किया गया। सी0आई0एस0एफ0 पिपरी शिविर में कुल 12 रजिस्ट्रेशन में से 8 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में विनोद कुमार, अशित कुमार सरकार, शंभु सिंह, अनूप कुमार दास, दीपक महतो, वीर अभिमन्यु प्रसाद, प्रमोद कुमार पुरी व पाटिल प्रमोद विलास रहे। अनपरा में कुल 26 रजिस्ट्रेशन में 14 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में मनीष कुमार गोयल, अभिषेक सिंह, नीरज, रामानुज, आकाश गुप्त, अनिमेश जयसवाल, रवि कुमार शाह, सुमित कुमार मित्तल, अमित गड्डानी, अर्पित भारूका, हबीब अंसारी, विकास अग्रवाल, ऋतिक कुमार व आशुतोष यादव रहे। रेनुकूट में कुल 10 रजिस्ट्रेशन में 6 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में अमित कुमार, इंदल सरोज, आनंद कुमार गुप्ता, आर्दश कुमार पाण्डेय, मणिशंकर सिन्हा व प्रमोद कुमार सिंह रहे। आयोजन को सफल बनाने में रेणुकूट प्रेस क्लब के अध्यक्ष अभय भार्गव, भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष मणि शंकर सिन्हा व महासचिव प्रमोद कुमार, अनपरा के संजीव मदान, अनिल जैन, सुरेंद्र भरूका अर्पित भरूका, अनिमेष जायसवाल, इंस्टाग्राम इनफ्लुएंसर संदीप के साथ ब्लड बैंक की टीम डॉ शुभम जैश, डॉ रविंद्र प्रसाद, सरोजा देवी, शैलेंद्र कुमार पाण्डेया, अभय कुमार, सर्वेश देव पाण्डेय, राजू, दिनेश केशरी व उमेश चौबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम के संयोजक उत्सव ट्रस्ट के संरक्षक देवानंद मिश्र, स्वामी अरविंद सिंह, संतोष कुमार सिंह, आशीष पाठक, विकास राज व अविनाशी अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन उत्सव ट्रस्ट रक्तदान विभाग के निदेशक डॉक्टर अजय कुमार शर्मा ने किया।

कोची केरला मे योगासन खेल प्रतियोगिता में सोनभद्र के बच्चों ने जीते पदक

सोनभद्र। खेल प्रतियोगिता में सोनभद्र के बच्चों ने पदक हासिल किया। राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता के लिए बच्चों का चयन सोनभद्र योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा किया गया था।राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन डबलू अफ अफ योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा राजीव गांधी इनडोर स्टेडियम कोची केरला में कराया गया था।राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता में कमिश्नर आफ पुलिस कोची केरला का आगमन हुआ। इस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में कुल 16 स्टेट के बच्चों ने प्रतिभाग किया।जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, पांडिचेरी, उड़ीसा, वेस्ट बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब,आदि प्रदेश के बच्चों ने प्रतिभाग कर पदक हासिल किया।जिसमें उत्तर प्रदेश से लगभग 40 बच्चों का चयन राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए किया गया था।सोनभद्र के डी ए वी स्कूल रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र से आस्था, सृष्टि, प्रियाल, कार्तिक देव पांडे, का चयन राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता कोची केरला के लिए किया गया था। जिसमें उन्होंने प्रतिभाग कर आस्था दो ब्रॉस मेडल, सृष्टि दो ब्रॉन्ज मेडल, प्रियाल दो ब्रॉन्ज मेडल, कार्तिक देव पांडे दो ब्रॉन्ज मेडल, मालती नेगी गोल्ड मैडल, गुरदीप कौर ब्रोंज मेडल हासिल किया। बच्चों के माता-पिता और डी ए वी स्कूल के कोच मनोरंजन सर द्वारा फोन करके सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया । सभी बच्चे कोची केरला से सोनभद्र 17 अगस्त को रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र ट्रेन द्वारा पहुंचेंगे। इस अवसर पर अंशु सरकार, शिवम भदोरिया, रितु शर्मा, राजेश आचार्य, उत्तर प्रदेश जनरल सेक्रेटरी विनय कुमार श्रीवास्तव और कोच जागृति प्रजापति उपस्थित रहे।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और कोच बॉब सिम्पसन का निधन:89 की उम्र में सिडनी में ली आखिरी सांस; 62 टेस्ट मैच खेले

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और कोच बॉब सिम्पसन का

89 साल की उम्र में सिडनी में निधन हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 16 अगस्त 2025 को उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि की। सिम्पसन न सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज और बेहतरीन स्लिप फील्डर रहे, बल्कि कोच के तौर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सिम्पसन ने 1957 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और 1978 तक खेलते रहे। उन्होंने कुल 62 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 4,869 रन बनाए और 10 शतक जड़े। उनका बेस्ट स्कोर 1964 में इंग्लैंड के खिलाफ 311 रन रहा। बल्लेबाजी के अलावा वे लेग स्पिनर भी थे और 71 विकेट लिए। स्लिप में 110 कैच पकड़े स्लिप फील्डिंग में बॉब का जलवा था और उन्होंने 110 कैच पकड़े, जो आज भी एक गैर-विकेटकीपर के लिए रिकॉर्ड माना जाता है। उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की। बॉब ने 1977 में संन्यास से वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की कप्तानी संभाली थी। उस समय कई प्रमुख खिलाड़ी वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट में खेलने चले गए थे, जिससे टीम कमजोर हो गई थी। सिम्पसन ने 41 साल की उम्र में कप्तानी संभाली और भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में टीम का नेतृत्व किया। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने वह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 3-2 से जीती। इसके बाद उन्होंने फिर से संन्यास ले लिया।1986 में ऑस्ट्रेलिया के पहले फुल-टाइम कोच बने सिम्पसन ने बतौर कोच ऑस्ट्रेलिया को नई पहचान दी। वे 1986 में देश के पहले फुल-टाइम कोच बने और 1996 तक इस पद पर रहे। उनके कार्यकाल में ऑस्ट्रेलिया ने 1987 का वर्ल्ड कप जीता, 1989 में इंग्लैंड से एशेज अपने नाम की और 1995 में वेस्टइंडीज को हराया। 1965 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने सिम्पसन को खेल जगत में कई सम्मान मिले। उन्हें 1965 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर, 1985 में स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम, 2006 में ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम और 2013 मW ICC क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। उन्हें ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से भी सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने श्रद्धांजलि दी उनके निधन पर प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि 'बॉब सिम्पसन की सेवाएं पीढ़ियों तक की जाएंगी।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, 'सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की नींव को मजबूत किया और आने वाले चैंपियंस के लिए रास्ता बनाया।'

भारतीय खिलाड़ियों ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं,सचिन ने लिखा- जय हिंद, पंत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत का वीडियो पोस्ट किया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत अपनी आजादी की 79वीं सालगिरह मना

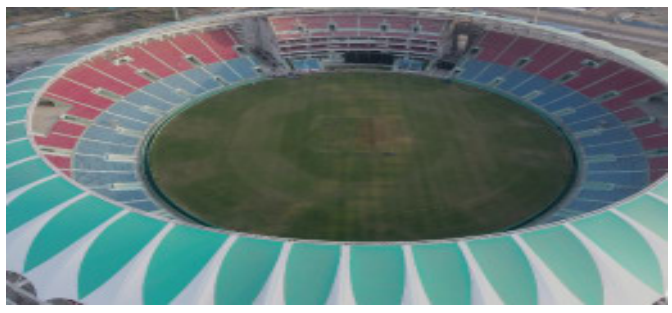

रहा था। इस बीच भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए देश की आजादी का जश्न मनाया। सचिन तेंदुलकर ने फोटो पोस्ट कर लिखा, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, जय हिंद। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने तिरंगे के साथ फोटो पोस्ट की। वहीं विकेटकीपर ऋषभ पंत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत का खुद से रिकॉर्ड किया हुआ वीडियो डाला। चैंपियन ट्रॉफी फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर जीत हासिल की थी। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के दिन, ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें ड्रेसिंग रूम का मजाक-मस्ती भरा माहौल और कप्तान रोहित के साथ एक मजेदार बातचीत भी दिखी, जो फैंस को खूब पसंद आई। वीडियो में पंत रवींद्र जडेजा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल से बात करते हैं। आखिर में जब वो रोहित के पास पहुंचे, तो उन्होंने पूछा, भैया, ये स्टंप लेकर कहां जा रहे हो? रोहित, जिन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20द क्रिकेट से संन्यास लिया था, मुस्कुराते हुए बोले, क्या? रिटायरमेंट ले लूं? हर बार जीतेंगे तो हर बार थोड़ी रिटायरमेंट लेता रहूंगा। इस पर पंत हंसते हुए बोले- हम तो चाहते हैं आप खेलते रहें। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने एक्स पर पांच नंबर की जर्सी पहने एक फोटो शेयर की और लिखा- मेरा देश, मेरी पहचान, मेरी जिंदगी, जय हिंद। सोशल मीडिया पर गौतम गंभीर की ये पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं।पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने एक्स पर तिरंगे की फोटो शेयर कर पोस्ट लिखा, इस स्वतंत्रता दिवस पर, आइए उन अनगिनत बलिदानों को याद करें जिनके कारण हमें आजादी का तोहफा मिला। आइए, हम हर दिन एक उज्जवल और मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रयास करें जिस पर हमारी आने वाली पीढ़ियां गर्व करें। आपको स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं, जय हिंद। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने एक्स पर एक फोटो शेयर की और लिखा- सभी भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी आजादी कड़ी मेहनत से मिली है। हमारा कर्तव्य है कि हम इसे जीवित रखें - भावना से, कर्म से और एकता से, जय हिंद।

सीएसके बोली- ब्रेविस की साइनिंग पूरी तरह नियमों के मुताबिक:अश्विन ने कहा था, चेन्नई ने ज्यादा पैसे दिए; बतौर रिप्लेसमेंट टीम से जुड़े थे

स्पोर्ट्स डेस्क। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2025 में साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को बीच सीजन में शामिल करने

को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। सीएसके ने कहा कि यह सौदा पूरी तरह टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक था। यह बयान तब आया जब रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि फ्रेंचाइजी ने 21 साल के ब्रेविस को उनकी तय कीमत 2.2 करोड़ रुपए से ज्यादा में साइन किया है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, पिछले साल ब्रेविस ने आईपीएल में अच्छा समय बिताया था, जब सीएसके ने उन्हें सीजन के दूसरे हिस्से में टीम में लिया। मैंने सुना कि 2-3 टीमें उनसे बात कर रही थीं, लेकिन वे उन्हें नहीं ले पाईं क्योंकि वे अतिरिक्त पैसे नहीं दे सकती थीं। उनका ऑक्शन में बेस प्राइस था, लेकिन एजेंट से बातचीत और नेगोशिएशन हुआ होगा कि, मैं तभी टीम ज्वाइन करूंगा जब मुझे तय रकम से ज्यादा मिले। अश्विन ने आगे कहा, ब्रेविस का कॉन्सेप्ट यह रहा होगा कि अगर मैं इस सीजन खेलता हूं तो अगले ऑक्शन में मेरी वैल्यू और बढ़ेगी। तो उन्होंने शायद सीएसके से कहा होगा, मुझे एक्स्ट्रा पैसे चाहिए और टीम इसके लिए तैयार भी थी।आईपीएल के नियमों के मुताबिक, किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को चोटिल खिलाड़ी की ऑक्शन प्राइस से ज्यादा फीस पर साइन नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, नियमों में यह भी लिखा है कि, अगर किसी सीजन में रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लिया जाता है, तो उसे दी जाने वाली लीग फीस को घटाकर मैचों के हिसाब से तय किया जाएगा। डेवाल्ड ब्रेविस, जो मेगा ऑक्शन में नहीं बिके थे। उन्हें सीएसके ने सीजन के बीच में तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह टीम में शामिल किया गया था। गुरजपनीत को जेद्दा में हुए ऑक्शन में 2.2 करोड़ में खरीदा गया था, लेकिन वे चोटिल होकर बाहर हो गए। अपने बयान में सीएसके ने कहा कि ब्रेविस को अप्रैल 2025 में 2.2 करोड़ में साइन किया गया, वही रकम जो गुरजपनीत को ऑक्शन में मिली थी। यह प्रक्रिया आईपीएल प्लेयर रेगुलेशंस 2025-27 के क्लॉज 6.6 (रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों से जुड़े नियम) के तहत पूरी की गई।

यूपी टी-20 लीग कल से, इकाना स्टेडियम में तमन्ना भाटिया, सुनिधि और दिशा पाटनी का परफॉर्मेंस

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग सीजन-3 की शुरुआत रविवार शाम 5 बजे इकाना स्टेडियम में होगी। उद्घाटन में तमन्ना भाटिया, सुनिधि

चौहान और दिशा पाटनी की परफॉर्मेंस होगी। इस मौके पर गेस्ट अपीरियंस में फिल्म परम सुंदरी की स्टार कास्ट सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर भी मौजूद रहेंगी। लीग में 6 टीमों के बीच चैंपियन बनने के लिए मुकाबला होगा। लीग में मेरठ मेवरिक्स, कानपुर सुपरस्टार्स, काशी रुद्रास, गोरखपुर लायंस, नोएडा सुपर किंग्स और लखनऊ फाल्कन्स भिड़ेंगी।सोनी लिव और सोनी स्पोर्ट्स 3 पर दर्शक मैच को लाइव देख सकेंगे। दर्शक ओपनिंग सेरेमनी के लिए 300 रुपए में बुक माई शो पर टिकट बुक कर सकते हैं। लगातार दूसरा सीजन इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। 2023 में पहला सीजन कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला गया था, जिसमें काशी रुद्रास ने मेरठ मेवरिक्स को सात विकेट से हराकर चैंपियन का खिताब जीता था। दूसरे सीजन में मेरठ मेवरिक्स की टीम ने कानपुर सुपर स्टार्स को 5 विकेट से हराकर चैंपियन बनी थी।दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए कप्तान ध्रुव जुरैल, कुलदीप यादव प्लेइंग 11 का हिस्सा रहेंगे। माधव कौशिक स्टैंडबाई प्लेयर के रूप में लीग से जुड़ेंगे। गोरखपुर लायंस के तेज गेंदबाज यश दयाल के लीग मैच खेलने की संभावना नहीं है। जयपुर में रेप का आरोप लगने और कोर्ट द्वारा गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद यूपीसीए उन्हें मैच खिलाने पर विचार नहीं कर रहा। यश को गोरखपुर ने 7 लाख रुपए में खरीदा था।लीग में मेरठ मेवरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह, लखनऊ फाल्कंस के भुवनेश्वर कुमार, स्वास्तिक चिकारा और समीर रिजवी जैसे स्टार प्लेयर्स खेलते हुए नजर आएंगे। तीसरे सीजन का पहला मैच मेरठ मेवरिक्स और कानपुर सुपरस्टार्स के बीच मैच 17 अगस्त को शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। फाइनल 6 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच लखनऊ में होंगे।पहले सीजन में काशी रुद्रास ने फाइनल में मेरठ मेवरिक्स को 7 विकेट से हराया था। मेरठ ने 146/8 बनाए, लेकिन काशी ने 150/3 (19.1 ओवर) बनाकर जीत दर्ज की। कप्तान करन शर्मा की अगुआई में काशी ने लीग स्टेज में 7 जीत हासिल की थी। लीग में सर्वाधिक 626 रन बनाने वाले काशी रुद्रास के कप्तान करन शर्मा ने आरेंज कैप और काशी रुद्रास के ही गेंदबाज अटल बिहारी ने 25 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमाया था। मेरठ के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाने वाले गेंदबाज बॉबी यादव को फाइनल में मैन ऑफ द मैच चुना गया था।लीग के दूसरे सीजन में मेरठ मेवरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को 5 विकेट से हराया था। कानपुर ने 190/5 विकेट पर बनाए, मेरठ ने 196/5 विकेट (19.4 ओवर) में बनाकर जीत दर्ज की थी। माधव कौशिक कप्तान थे। टूर्नामेंट में स्वास्तिक चिकारा (मेरठ) 499 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। इकाना स्टेडियम की पिच लाल और काली मिट्टी से बनी है, जो बॉलर्स को फायदा देती है। खासकर स्पिनर्स और स्लोअर बॉलर्स को। ट्रेडिशनली स्लो और ग्रिप वाली पिच है, जहां गेंद टर्न और बाउंस करती है, बल्लेबाजों को चुनौती देती है। पहली पारी का औसत स्कोर 160-170 रहता है, लेकिन 200 प्लस भी बनते हैं। पेसर्स को शुरुआती ओवरों में स्विंग और सीम मूवमेंट मिलता है, विकेट जल्दी गिरते हैं। मिडिल और डेथ ओवरों में स्पिनर्स डोमिनेंट करते नजर आते हैं। चेजिंग टीमों के जीतने की संभावना अधिक होती है। कुल मिलाकर, पिच बैलेंस्ड है लेकिन बॉलिंग फ्रेंडली है, जहां सेट बल्लेबाज ही बड़े स्कोर बना पाते हैं।

बेथेल आयरलैंड के खिलाफ टी-20 में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे,टीम के सबसे युवा मेंस कप्तान; साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी स्क्वॉड का ऐलान

स्पोर्ट्स डेस्क। सितंबर में इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जानी है। इसके

लिए इंग्लैंड ने अपनी 14 मेंबर्स टीम का ऐलान कर दिया है। युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को टीम की कमान दी गई है। टीम में हैरी ब्रुक जैसे कई बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। पहले मैच में मैदान पर उतरते ही बेथेल इंग्लैंड के सबसे युवा मेंस क्रिकेट कप्तान बनकर 136 सालों से कायम रिकॉर्ड तोड़ देंगे। मोंटी बोडेन के नाम दर्ज है यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की तरफ से सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड फिलहाल पूर्व क्रिकेटर मोंटी बोडेन के नाम दर्ज है। जिन्होंने 1889 में 23 साल की उम्र में इंग्लैंड की कमान संभाली थी। 1889 में इंग्लैंड के रेगुलर कप्तान ऑब्रे स्मिथ को अचानक से बुखार आ गया था। इसके बाद अगले टेस्ट मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मोंटी बोडेन को टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। बेथेल ने अब तक इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट, 12 वनडे और 13 टी-20 खेले हैं। चार टेस्ट में उनके नाम 38.71 की औसत से 271 रन और तीन विकेट हैं। टेस्ट में उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए हैं। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 317 रन बनाए हैं और सात विकेट लिए हैं। वनडे में बेथेल ने तीन अर्धशतक लगाए हैं। टी-20 में उन्होंने 154.40 के स्ट्राइक रेट से 281 रन बनाए हैं। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा बेथेल ने चार विकेट भी लिए हैं। आयरलैंड दौरे से पहले इंग्लैंड टीम साउथ अफ्रीका से तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैचों की होम सीरीज खेलेगी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज की शुरुआत 2 सितंबर से होगी। हैरी ब्रुक इन दो होम सीरीज के लिए कप्तान होंगे। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज 17 सितंबर से शुरू होगी। जैकब बेथेल (कप्तान), रेहान अहमद, सनी बेकर, टॉम बैंटन, जोस बटलर, लियाम डॉसन, टॉम हार्टली, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट और ल्यूक वुड। हैरी ब्रुक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सन्नी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, जैमी स्मिथ। हैरी ब्रुक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जैमी स्मिथ, ल्यूक वुड।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नियम बदले:गंभीर चोट पर रिप्लेसमेंट मिलेगा; पंत-वोक्स की चोटों के बाद बदलाव

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने प्लेइंग कंडीशंस में बदलाव करते हुए आने वाले घरेलू सीजन में इंजरी रिप्लेसमेंट की इजाजत दे दी है। अगर किसी खिलाड़ी को गंभीर चोट लगती है और वह मैच में आगे खेलने की स्थिति में नहीं होता है तो उसकी जगह दूसरे खिलाड़ी को मौका मिलेगा। यह नियम मल्टी-डे घरेलू मैचों में लागू होगा। यानी ऐसे मैचों में जो एक से ज्यादा दिन तक चलते हैं। इंग्लैंड में हाल ही में हुई एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज में ऋषभ पंत को चोट लगी थी। इसके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स भी चोटिल हुए थे। नियमों के मुताबिक किसी खिलाड़ी को तभी रिप्लेस किया जा सकता है जब चोट सिर में लगी हो। इसे कनकनशन रिप्लेसमेंट कहते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में यही नियम लागू है। हालांकि, भारत में होने वाले घरेलू क्रिकेट के लिए बीसीसीआई ने बाकी चोट में भी रिप्लेसमेंट की अनुमति देने का फैसला किया है। क्या हैं नया नियम अगर किसी खिलाड़ी को मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है, तो रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जा सकती है। यह चोट खेल के दौरान और मैदान के अंदर ही लगी होनी चाहिए। इस बदलाव पर कई प्लेयर्स की अलग-अलग राय है। इंग्लिश टेस्ट कैप्टन बेन स्टोक्स ने इसे मजाक बताया, वहीं गौतम गंभीर ने इसका स्वागत किया। भारत के ऋषभ पंत और इंग्लैंड के क्रिस वोक्स दोनों को चौथे और पांचवें टेस्ट में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद वे मैच में भाग नहीं ले पाए थे।मैं इसके पक्ष में हूं- गंभीर ऋषभ पंत की चोट के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा- 'मैं बिल्कुल इसके पक्ष में हूं। अगर अंपायर और मैच रेफरी को लगे कि चोट गंभीर है, तो

सब्स्टीट्यूट देना बहुत ज़रूरी है। इसमें कोई बुराई नहीं है, खासकर ऐसी सीरीज में जहां पहले तीन टेस्ट कड़े मुकाबले रहे हों। सोचिए हमें 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ता तो कितना दुर्भाग्यपूर्ण होता।' यह बिल्कुल मजाक है- बेन स्टोक्स ओवल टेस्ट में जब वोक्स का कंधा उतर गया तब इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा,- 'यह बिल्कुल मजाक है। इससे टीमें कमजोरियां ढूंढ लेंगी। आप जब 11 चुनते हैं तो चोट भी खेल का हिस्सा है। मैं कन्कशन रिप्लेसमेंट समझता हूं, क्योंकि उसमें प्लेयर की सुरक्षा की बात है। लेकिन इंजरी रिप्लेसमेंट पर बात बंद होनी चाहिए।' नए प्लेइंग कंडीशंस की जानकारी बीसीसीआई ने अहमदाबाद में अंपायरों की चल रही वर्कशॉप में दी। बीसीसीआई ने साफ किया है कि यह नियम सफेद गेंद क्रिकेट (सैयद मुश्ताक अली, विजय हजारे) में लागू नहीं होगा। आईपीएल में यह लागू होगा या नहीं, यह अभी तय नहीं है। लेकिन सीके नायडू ट्रॉफी (यु -19 मल्टी-डे टूर्नामेंट) में यह लागू रहेगा।नीचे बदले हुए नियम के बारे में विस्तार से जानिए- अगर खिलाड़ी को मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो रिप्लेसमेंट दिया जाएगा अगर चोट किसी भी प्लेयर्स को मैदान के अंदर लगेगी तो इसका रिप्लेसमेंट दिया जा सकेगा। इसमें कोई प्लेयर बॉल लगने से, फ्रैक्चर और डिस्लोकेशन से चोटिल हुआ हो। चोट इतनी गंभीर हो कि खिलाड़ी मैच में आगे भाग न ले सके। तब उस खिलाड़ी को नया रिप्लेसमेंट दिया जाएगा। ऑन-फील्ड अंपायर गंभीर चोट का आकलन करेंगे ग्राउंड में मौजूद ऑनफील्ड अंपायर गंभीर चोट का आकलन करेंगे और रिप्लेसमेंट की इजाजत देंगे। वे मैच रेफरी और डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। टीम मैनेजर को मैच रेफरी को एक फॉर्म देना होगा जिसमें चोटिल खिलाड़ी का नाम, चोट कब और कैसे लगी, और यह पुष्टि हो कि वह आगे नहीं खेल सकता। रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का नाम, जो लाइक फॉर लाइक (समान भूमिका वाला) होना चाहिए। टॉस के समय सब्स्टीट्यूट लिस्ट देनी होगी रिप्लेसमेंट केवल उन्हीं खिलाड़ियों में से चुना जाएगा जो टॉस के समय बतौर सब्स्टीट्यूट नामित किए गए हों। सिर्फ विकेटकीपर की गंभीर चोट की स्थिति में बाहर से कीपर बुलाने की अनुमति होगी, अगर सब्स्टीट्यूट में कोई कीपर न हो। मैच रेफरी रिप्लेसमेंट की अनुमति तभी देंगे जब उन्हें लगे कि नया खिलाड़ी टीम को अनुचित फायदा नहीं देगा। मैच रेफरी का फैसला आखिरी होगा मैच रेफरी का फैसला आखिरी होगा, किसी टीम को अपील का हक़ नहीं होगा। रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को वही पेनल्टी, वार्निंग या टाइम आउट लागू रहेंगे जो चोटिल खिलाड़ी पर थे। एक बार रिप्लेसमेंट मान्य हो गया तो चोटिल खिलाड़ी मैच में दोबारा नहीं लौट सकेगा। दोनों खिलाड़ी (चोटिल और रिप्लेसमेंट) रिकॉर्ड और आंकड़ों में मैच खेले माने जाएंगे।

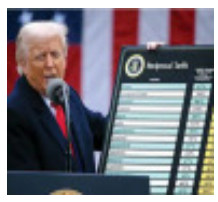

लियोनेल मेसी का भारत दौरा, कोलकाता से शुरुआत होगी,15 दिसंबर को कोहली और गिल के साथ फुटबॉल खेलेंगे,पीएम मोदी से भी मुलाकात होगी

स्पोर्ट्स डेस्क। लियोनेल मेसी के भारत दौरे को आखिरकार मंजूरी मिल

गई है। अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार की भारत का ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम टूर की शुरुआत 12 दिसंबर को कोलकाता से होगी। इसके बाद वे अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली जाएंगे। दौरा 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के साथ खत्म होगा।मेसी दिल्ली में विराट कोहली और शुभमन गिल के साथ फ्रेंडली फुटबॉल मैच खेलेंगे। 2011 के बाद वे पहली बार भारत आ रहे हैं। उस वक्त मेसी अर्जेंटीना टीम के साथ कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलने आए थे। इवेंट प्रमोटर सतद्रु दत्ता के मुताबिक, मेसी इस दौरे में बच्चों के लिए फुटबॉल मास्टरक्लास देंगे, ताकि भारत के युवा फुटबॉलरों को प्रेरित किया जा सके। वे 12 दिसंबर की रात को कोलकाता पहुंचेंगे और यहां दो दिन रुकेंगे। 13 दिसंबर की सुबह उनका मीट-एंड-ग्रीट, खास फूड और चाय फेस्टिवल होगा। मेसी को अर्जेंटीना की माटे चाय पसंद है, इसलिए यहां अर्जेंटीना और असम टी का फ्यूजन भी होगा। बंगाली फिश और मिठाइयां भी परोसी जाएंगी। 13 दिसंबर को मेसी का अब तक का सबसे बड़ा स्टैच्यू खोला जाएगा। इसके बाद ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कॉन्सर्ट और 7-खिलाड़ियों का फुटबॉल मैच होगा, जिसमें मेसी के साथ सौरव गांगुली, लिएंडर पेस, जॉन अब्राहम और बाइचुंग भूटिया खेलेंगे। दौरे में एक विशाल म्यूरल (दीवार पर बनी चित्रकारी या कलाकृति) जिसे 25 फीट ऊंचा और 20 फीट चौड़ा भी बनाया जाएगा, इस पर फैंस संदेश लिख सकेंगे। यह म्यूरल बाद में मेसी को दिया जाएगा। कोलकाता के बाद मेसी 13 दिसंबर की शाम को अहमदाबाद में अडाणी फाउंडेशन के निजी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद 14 दिसंबर को मुंबई सीसीआई ब्रेबॉर्न क्लब में मीट-एंड-ग्रीट, फिर वानखेड़े में ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कॉन्सर्ट और ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कप होगा। इसमें मेसी, शाहरुख खान, लिएंडर पेस और अन्य सेलिब्रिटीज के साथ पैडल खेलेंगे। मास्टर ब्लास्टर्स मोमेंट में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, रोहित शर्मा और बॉलीवुड स्टार्स (रणवीर सिंह, आमिर खान, टाइगर श्रॉफ) भी होंगे। 15 दिसंबर को मेसी दिल्ली जाएंगे। यहां उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होगी। इसके बाद विराट कोहली और शुभमन गिल के साथ फिरोजशाह कोटला में ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कॉन्सर्ट और ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कप खेलेंगे। मेसी के आने को लेकर सुरक्षा के खास इंतजाम रहेंगे और आयोजक उम्मीद कर रहे हैं कि सभी इवेंट्स हाउसफुल होंगे, जिसकी टिकटें 3,500 रुपए से शुरू होंगी।

ट्रम्प बोले-रूस से तेल लेने वाले देशों पर प्रतिबंध नहीं,भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ से रूस ने एक बड़ा ग्राहक खोया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वो फिलहाल रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार नहीं

कर रहें है। ट्रम्प ने कहा, 'मुझे इसके (टैरिफ के) बारे में दो या तीन हफ्ते में सोचना पड़ सकता है, लेकिन हमें इसके बारे में तुरंत सोचने की जरूरत नहीं है।' फॉक्स न्यूज के साथ इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा- 'भारत के रूसी तेल व्यापार पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगने से रूस ने एक बड़ा तेल ग्राहक खो दिया है। चीन पर इसी तरह के टैरिफ रूस के लिए विनाशकारी होंगे। अगर मुझे ऐसा करना पड़ा, तो मैं करूंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करने की जरूरत नहीं होगी' दरअसल, ट्रम्प ने भारत पर रूस से तेल और हथियार खरीदने के लिए 6 अगस्त को 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था। 27 अगस्त से लागू होगा। इसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50फीसदी हो जाएगा। हालांकि, भारत साफ कर चुका है कि ट्रम्प की धमकियों के बाद रूसी तेल खरीदारी में कोई रोक नहीं लगी है। वही, ट्रम्प-पुतिन ने अलास्का में शुक्रवार (15 अगस्त) देर रात यूक्रेन जंग पर बातचीत की। भारत ने इस कदम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- दुनिया रूस-यूक्रेन जंग खत्म होते देखना चाहती है।पुतिन और ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात अलास्का में मुलाकात की। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि हमारी बैठक बहुत सकारात्मक रही। हमने कई बिंदुओं पर सहमति जताई, लेकिन कोई डील नहीं हुई। कोई समझौता तभी होगा, जब वह अंतिम रूप लेगा। ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए।भारत ने शनिवार को ट्रम्प और पुतिन के बीच अलास्का में बैठक का स्वागत किया। इसे सराहनीय कदम बताया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। बयान में आगे कहा गया, 'भारत समिट में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का जल्द अंत देखना चाहती है।

मनीषा हुई 55 की,बचपन से पचपन में नशे ने करियर बर्बाद किया,अफेयर चर्चा में, कभी बेकार एक्टर कहा गया; कैंसर से जंग जीतकर बनाई नई पहचान

मुंबई। बॉलीवुड में मनीषा कोइराला ने सुभाष घई की फिल्म

'सौदागर' से डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और अनिल कपूर जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकी मनीष को जब सक्सेस मिली तब अहंकारी हो गई थीं। उनके करियर में एक ऐसा भी दौर आया जब शराब और ड्रग्स ने उनका करियर बर्बाद कर दिया।

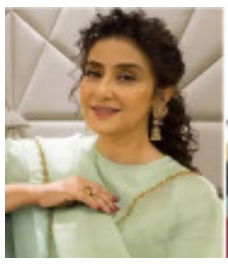

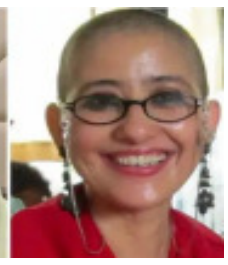

अब कैंसर से जंग जीतकर मनीष अपनी पहचान बना रही है।मनीषा कोइराला के परदादा कृष्ण प्रसाद कोइराला नेपाल के बड़े बिजनेसमैन थे। उनकी नेपाल के जाने माने लोगों में गिनती होती थी। एक बार किसी बात पर नेपाल के राजा से उनकी अनबन हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि उन्हें सबकुछ छोड़छाड़ कर भारत आना पड़ा। भारत आने के बाद उनका संघर्ष बहुत बड़ा था। उन्होंने सड़क पर फूल-माला बेचकर अपने बच्चों को पढ़ाया लिखाया और परवरिश की। न्यूज 18 में छपी खबर के मुताबिक एक इंटरव्यू के दौरान मनीषा कोइराला ने बताया था कि बचपन में उनकी दादी बताया करती थीं कि हम किस तरह के संघर्षों के बाद आगे आए हैं। मनीषा ने कहा था- बचपन की मेरी जो यादें ताजा हैं उनमें काफी सारा संघर्ष और ढेर सारा स्वाभिमान है। मैं एक स्वतंत्रता सेनानी के परिवार से हूं। एक ऐसे परिवार से जिसने स्वतंत्रता के काफी संघर्ष किए और यातनाएं झेली हैं। दादी बताती थीं कि मेरे दादाजी के पास सिर्फ एक जोड़ी कपड़ा हुआ करता था। दिन भर उसी कपड़े को पहनते थे और शाम को वो कपड़ा धुला जाता था। रात में दादा जी गमछे में रहते थे। फटी हुई चप्पल पहनते थे। दादी से इन्हीं बातों को सुन सुन कर बड़ी हुईं।

आदर्शवाद,संघर्ष, त्याग ये सब कुछ मैंने अपने बचपन में देखा है।मनीषा कोइराला ने बनारस के बसंत कन्या महाविद्यालय से शुरुआती पढ़ाई की है। मनीषा कोइराला कहती हैं- बचपन में मेरे घर का माहौल वैसा ही था जैसा एक स्वतंत्रता सेनानी के घर का होता है। घर पर आदर्शवादी लोग, प्रोफेसर, लेखक, बुद्धिजीवी, राजनेता, चिंतक हर तरह के लोग आते थे। हमारे घर में दस से ज्यादा लोग होते थे और पूरे घर का खर्चा तीन से पांच हजार रुपए में चलता था। मेरा बचपन बेहद औसत और साधारण माहौल में बीता है।मनीषा कोइराला की दादी भरतनाट्यम और मणिपुरी डांसर थीं और मां कथक डांसर थीं। मनीषा कहती हैं- मेरे घर पर शास्त्रीय गीत-संगीत का बड़ा माहौल था। 3 साल की उम्र से ही मैंने मणिपुरी, भरतनाट्यम और कथक सीखना शुरू कर दिया था। स्कूल में खेल कूद में बहुत मन लगता था। हम लोग बॉस्केटबॉल खूब खेलते थे। मैंने 'स्टेट-लेवल' पर बास्केटबॉल खेला भी है। हम लोग क्लास 'बंक' करके बास्केटबॉल की प्रैक्टिस के लिए चले जाते थे।राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने के बाद भी मनीषा कोइराला के घर पर खाने-पीने का माहौल अच्छा नहीं था। मनीषा ने बताया था- मेरे मुकाबले मेरे दोस्तों के टिफिन बहुत अच्छे थे। मेरी टिफिन में बड़ा बोरिंग खाना होता था, जबकि दोस्तों की मां रोटी,

अचार, सब्जियां देती थीं। मैं स्कूल जाने के बाद से ही 'इंटरवल' का इंतजार करने लगती थी। जैसे ही इंटरवल होता था मैं दोस्तों का टिफिन खाती थी।इसके बाद की पढ़ाई के लिए मनीषा कोइराला दिल्ली आ गईं। दिल्ली में उनका एडमिशन धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल में हुआ। उस वक्त वो डॉक्टर बनना चाहती थी। मनीषा कोइराला ने कहा था- स्कूल की पढ़ाई में मेरा ध्यान कम ही रहता था। मैं हमेशा किसी सोच में खोई

रहती थी, लेकिन अगर कोई मुझे चैलेंज करता था तो मैं अपनी पूरी जान लगाकर उसको गलत साबित कर देती थी। स्कूल में किसी ने मुझे चिढ़ाया कि तुम्हारी साइंस बहुत कमजोर है, तो तुम डॉक्टर नहीं बन सकती हो। यह बात हर वक्त मेरे दिमाग में घूमती रहती थी। मैंने दिन-

रात एक कर दिया और नतीजा ये हुआ कि उस बार साइंस में मेरे सबसे ज्यादा नंबर आये।मनीषा कोइराला ने जेब खर्च के लिए मॉडलिंग करना शुरू किया। उसी दौरान उनका एक्टिंग की तरफ झुकाव हुआ। 1989 में नेपाली फिल्म 'फेरी भेटौला' से मनीषा कोइराला ने अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड में एक्ट्रेस ने सुभाष घई की फिल्म 'सौदागर' से डेब्यू किया।हालांकि इससे पहले शेखर कपूर ने उन्हें अपनी फिल्म के लिए साइन किया था, लेकिन वह फिल्म नहीं बनी। इसके बाद बोनी कपूर ने वादा किया था कि वो मनीषा को अपनी फिल्म 'प्रेम' में संजय कपूर के साथ कास्ट करेंगे। पहले इस फिल्म के लिए तब्बू को अप्रोच किया

गया था, लेकिन उन्होंने फिल्म में काम करने से मना कर दिया था। बाद में तब्बू फिल्म में काम करने के लिए राजी हो गई थीं और यह फिल्म मनीषा के हाथ से निकल गई। हालांकि यह फिल्म 'सौदागर' के चार साल के बाद रिलीज हुई थी।सुभाष घई की फिल्म 'सौदागर' के बाद मनीषा कोइराला ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद उनके खाते में कई फिल्में आ गईं, जिनमें से कुछ फिल्में सफल नहीं हुईं। फिर विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' से मनीषा की किस्मत बदली। इस फिल्म में मनीषा ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने वाली युवती रज्जो का किरदार निभाया था। हालांकि मनीषा इस फिल्म के लिए जब विधु विनोद चोपड़ा से मिलीं तो ऑडिशन देखने के बाद उन्होंने 'टेरिबल एक्ट्रेस' कहकर रिजेक्ट कर दिया था। इस बात का जिक्र मनीषा कोइराला ने अपनी किताब 'हील्डः हाउ कैंसर गेव मी ए न्यू लाइफ' (Healed: How Cancer Gave Me a New Life) में किया है। एक्ट्रेस ने इस घटना के बारे में लिखा है- मुझे फिल्म '1942ः ए लव स्टोरी' के लिए दिया अपना स्क्रीन टेस्ट याद है। विधु विनोद चोपड़ा ने मुझे स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाया था। स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्होंने कहा कि तुमने बहुत खराब एक्टिंग की है। तुम एक बुरी एक्ट्रेस हो, मैंने विधु सर से एक दिन का समय मांगा और फिर से ऑडिशन लेने के लिए कहा। उन्होंने मेरी बात मान ली। मैं घर गई और अपने डायलॉग की लगातार प्रेक्टिस करती रही। उसके बाद जब ऑडिशन दिया तब विधु सर ने कहा कि ऐसे ही रोज मेहनत करनी है।धीरे-धीरे मनीषा कोइराला सफलता की सीढ़ियां चढ़ती जा रही थी। तभी एक वक्त ऐसा भी आया जब वो अहंकारी हो गई थीं। एक्ट्रेस ने पिंकविला से बातचीत के दौरान कहा था- मुझे ऐसा लगा जैसे मैं थोड़ी अहंकारी हो गई हूं। जब बिना मेहनत के जल्दी सफलता मिलती है तो इस तरह का बदलाव होता है। मुझे लगता है कि ये सब चीजें आपको थोड़ा अहंकारी बना देती हैं। लगने लगता है कि दुनिया आपके इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन मैं वास्तव में ऐसी नहीं हूं। जैसे-जैसे आप मैच्योर होते हैं और जिंदगी में आगे बढ़ते हैं, आपको इसका एहसास होता है। उस समय, मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं पूरे यूनिवर्स का सेंटर हूं।मनीषा कोइराला जब अपने करियर के पीक पर थी तब उनका नाम कथित रूप से करीब 12 लोगों के संग जोड़ा गया था। जनसत्ता की रिपोर्ट कर मुताबिक बिजनेसमैन सम्राट दहल संग शादी करने से पहले मनीषा का नाम विवेक मुशरान, नाना पाटेकर, डीजे हुसैन, नाइजीरियाई बिजनेसमैन सेसिल एंथनी, आर्यन वैद, प्रशांत चौधरी, ऑस्ट्रेलियाई राजदूत क्रिस्पिन कॉनरॉय के साथ जोड़ा गया था। सबसे ज्यादा चर्चा नाना पाटेकर के साथ रिलेशनशिप को लेकर रही। मनीषा कोइराला ने बिजनेसमैन सम्राट से 2010 में शादी की थी। यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चली और दोनों के बीच 2012 में तलाक होगा और तब से मनीषा अकेले लाइफ जी रही हैं।कई बेहतरीन फिल्में देने के बाद एक वक्त ऐसा भी आया जब मनीषा कोइराला का करियर ढलान पर जाने लगा। इस गम से उबरने के लिए अभिनेत्री ने शराब और ड्रग्स का सहारा लेना शुरू कर दिया। इसका असर उनके काम पर पड़ने लगा। वो नशे में धुत रहा करती थीं, जिसके कारण वो अपने काम से दूर होती चली गईं। जब उन्हें लगा कि संभल जाना चाहिए तो उन्हें कैंसर हो गया।2012 में मनीषा की तबीयत अचानक कुछ ज्यादा खराब हुई। जिसके बाद वह मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती हुईं। इलाज के दौरान उन्हें पता चला कि उनके गर्भाशय में कैंसर है। इस खबर के बाद से तो जैसे मनीषा के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह कुछ सोच नहीं पा रही थीं, उन्हें लग रहा था कि ये कैंसर उनको मार डालेगा। हालांकि इसके बाद मनीषा कोइराला ने न्यूयॉर्क में अपना इलाज कराया। लगभग एक साल चले ट्रीटमेंट के बाद कैंसर को हरा दिया। कैंसर से उबरने के बाद मनीषा कोइराला ने अपनी किताब 'हील्डः हाउ कैंसर गेव मी ए न्यू लाइफ' लॉन्च की। किताब के जरिए उन्होंने अपनी आपबीती और संघर्ष की कहानी बताई।कैंसर से पीड़ित होने के बाद मनीषा ने फिल्मों से दूरी बना ली थी। उन्होंने 2017 में फिल्म 'डियर माया' से बॉलीवुड में वापसी की थी। इसके बाद संजय दत्त की बायोपिक 'संजू' में नरगिस दत्त की भूमिका में नजर आईं, लेकिन सबसे ज्यादा उनकी चर्चा पिछले साल रिलीज वेब सीरीज 'हीरामंडी' को लेकर हुई। इस सीरीज में मनीषा की मल्लिकाजान के रोल में खूब तारीफ हुई।

ज़ी5 पर रिलीज हुई 'तेहरान'ःजॉन अब्राहम बने डीएसपी राजीव, फिल्म में तेज एक्शन नहीं, बल्कि सधी हुई जासूसी, पढ़ें रिव्यू

मुंबई। तेहरान सिर्फ एक जासूसी थ्रिलर नहीं, बल्कि इंसानियत, जिम्मेदारी और निजी संवेदना की परतों में उतरने

वाली कहानी है। स्वतंत्रता दिवस के आस-पास रिलीज हुई और मैडॉक फिल्म्स व बेक माय केक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म एक्शन के शोर से ज्यादा राजनीति के सन्नाटे और कूटनीतिक उलझनों पर टिकती है। अब यह आज से ज़ी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।दिल्ली में हुए एक बम धमाके में एक मासूम बच्ची की मौत होती है। डीसीपी राजीव कुमार (जॉन अब्राहम) के लिए यह केस महज ड्यूटी नहीं, बल्कि निजी दर्द से जुड़ा एक मिशन है। सुराग उन्हें तेहरान तक ले जाते हैं, जहां दोस्त और दुश्मन के बीच की लकीर धुंधली हो जाती है। कहानी में पॉलिटिकल टेंशन और इमोशनल कनेक्ट दोनों हैं, लेकिन कुछ जगहों पर घटनाओं का ट्रांजिशन इतना तेज है कि दर्शक को जोड़ने वाली परत अधूरी रह जाती है।जॉन अब्राहम अपनी आंखों और हावभाव से गहरा असर छोड़ते हैं। डायलॉग कम, भावनाएं ज्यादा। यह उनका शांत और भावनात्मक प्रदर्शन है। कुछ दर्शकों को यह अंदाज पहले जैसा लग सकता है।मानुषी छिल्लर का स्क्रीन टाइम कम है, लेकिन उनकी मौजूदगी कहानी में मानवीय संवेदनाओं को दिखाती है। नीरू बाजवा की समझदारी और हादी खानजनपुर का एक्टिंग कहानी के तनाव को और असली बनाता है। निर्देशक अरुण गोपालन ने फिल्म को फालतू

'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर लॉन्च पर हंगामाःइवेंट रोकने का आरोप, विवेक अग्निहोत्री बोले - कोलकाता में कानून-व्यवस्था फेल हो चुकी है

कोलकाता। कोलकाता में शनिवार को फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर

लॉन्च के दौरान हंगामा हो गया। कार्यक्रम एक निजी होटल में रखा गया था।फिल्म के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में रुकावट डाली गई और ट्रेलर लॉन्च रोक दिया गया। हम ट्रेलर न दिखा पाएं इसके लिए पुलिस आई थी। बंगाल में कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। विवेक ने कहा- 'अगर यह तानाशाही या फासीवाद नहीं है तो और क्या है? राज्य में कानून-व्यवस्था फेल हो चुकी है। इसी वजह से लोग द बंगाल फाइल्स को सपोर्ट कर रहे हैं।' 'अभी मुझे पता चला है कि कुछ लोग यहां आए और सभी तार काट दिए। मुझे नहीं पता किसके आदेश पर यह हो रहा है। आप जानते हैं हमारे पीछे कौन लोग हैं। सभी टेस्ट और ट्रायल के बाद यह कार्यक्रम हो रहा था। होटल मैनेजर्स भी हमें नहीं बता पा रहे कि हमें क्यों रोका गया।' विवेक अग्निहोत्री की पत्नी पल्लवी ने कहा,- 'मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा कि मेरी फिल्म को रोका गया। क्या इस राज्य में अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है? हम फिल्ममेकर और एक्टर होकर भी अपनी बनाई चीजें नहीं दिखा पा रहे। आखिर उन्हें किस बात का डर है? ऐसी स्थिति तो कश्मीर में भी नहीं हुई। क्या यह मानें कि कश्मीर की हालत बंगाल से बेहतर है? आज बंगाल में क्या हो रहा है, यह सबको देखना चाहिए। यही वजह है कि द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्में जरूरी हैं। मैं चाहती हूं कि भारत का हर इंसान यह फिल्म देखे और बंगाल की सच्चाई जाने। राज्य की जिम्मेदारी है कि कलाकारों को सम्मान दिया जाए।' विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' रिलीज से पहले ही काफी विवादों में है। आज द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर डायरेक्ट एक्शन डे (16 अगस्त) के दिन आया। ट्रेलर की शुरुआत एक डायलॉग से होती है- 'यह पश्चिम बंगाल है, यहां दो संविधान चलते हैंष्ठ एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का।' इसके बाद एक किरदार कहता है- 'यह सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि भारत का लाइट हाउस है- बंगाल।' 'द बंगाल फाइल्स' की डायरेक्शन विवेक ने किया है। जबकि इसके निर्माता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थीःपति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी रोने लगी, उसे

लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके

बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी।

एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

संजय दत्त ने फोड़ी मटकीःअनुपम खेर से लेकर कंगना रनोट ने दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं, भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन दिखीं मौनी रॉय

मुंबई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर फिल्म और टीवी जगत से कई सितारों ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को शुभकामनाएं दीं। अनुपम खेर बधाई देते हुए लिखा,-

आप सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बहुत बहुत बधाई! जगत मुरारी जी आप सभी को सुख, संपत्ति और शांति प्रदान करें! जय श्री कृष्ण!' एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने भी एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 'हैप्पी जन्माष्टमी।'टीवी एक्टर करणवीर मेहरा ने इस मौके पर फैंस को शुभकामनाएं देते हुए अपने पोस्ट में लिखा, 'हैप्पी जन्माष्टमी।'एक्ट्रेस मौनी रॉय ने जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस दोनों की शुभकामनाएं एक साथ दीं।मौनी ने लिखा,- 'राधे राधे। आप सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस की भी शुभकामनाएं। जय हिंद।'साथ ही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मौनी रॉय अपने दोस्तों संग मंदिर पहुंचीं और भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया। उन्होंने दोस्तों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और खुद को प्यार से 'गोपी' कहा। मौनी पूजा करने के बाद भागवत का पहला अध्याय पढ़ती नजर आईं। वहीं, एक्ट्रेस कंगना रनोट ने भी त्योहार की बधाई दी।वहीं, मुंबई में एक्टर संजय दत्त दही हांडी उत्सव में शामिल हुए और फैंस के साथ इस त्योहार का जश्न मनाया।गौरतलब है कि दही हांडी उत्सव जन्माष्टमी पर पूरे भारत में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यह भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।